पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 10 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 14 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

रविशंकर प्रसाद बोले- राहुल गांधी कंफ्यूज हैं

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । वक्फ कानून को लेकर जहां कांग्रेस ने एक बार फिर मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए इसे ध्रुवीकरण का हथियार बताया है. पिछले कुछ दिनों से वक्फ एक्ट को लेकर जिस तरह विपक्ष की तरफ से सवाल उठाए जा रहे उसे देखते हुए भाजपा के साथ-साथ सहयोगी पार्टियां काफी पशोपेश में हैं क्योंकि निशाने पर विपक्ष के भाजपा से ज्यादा भाजपा की सहयोगी पार्टियां हैं. बहरहाल एनडीए कुछ ऐसे मुद्दों को लेकर राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश में है जो आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति में जनता का ध्यान वक्फ से हटाकर अलग मुद्दों पर कर दें ताकि इसके सहारे ना सिर्फ भाजपा बल्कि सहयोगी पार्टियां भी विपक्ष पर हमलावर हो सकें. भाजपा सूत्रों की मानें तो पार्टी हाईकमान लगातार वक्फ कानून को लेकर बैठक कर रहा है. यहां तक कि सहयोगी पार्टियां लगातार भाजपा के संपर्क में हैं और इस मुद्दे की काट ढूंढी जा रही है. पार्टी के नेताओं को भी कहा गया है कि वो वक्फ कानून को लेकर लगातार जनता के साथ संपर्क करें और प्रचार माध्यम और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यमों से भी विपक्षी पार्टियों की तरफ से उठाए जा रहे सवालों का जवाब दें. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अलग-अलग शहरों में इस मुद्दे पर 100 से ज्यादा प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई है. अब भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां भी लगातार अलग-अलग राज्यों में वक्फ कानून पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्षी पार्टियों के आरोपों का जवाब देंगी. भाजपा ने बुधवार से इसकी शुरूआत कर दी है. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वक्फ पर कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद इस मुद्दे को लेकर कंफ्यूज हैं और असमंजस में हैं कि उन्हें वक्फ पर क्या स्टैंड लेना है. राहुल ने यह दावा किया कि वक्फ बिल असंवैधानिक है, क्या वो बता सकते हैं कि एक कानून कैसे असंवैधानिक है. भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को वक्फ पर बोलने की कोशिश करने के लिए अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन का इंतजार करना पड़ा. उन्होंने कहा, "मैं पूछना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी 12-13 घंटे सदन में बहस हुई आप खुद बैठे थे, वक्फ पर आपने क्यों नहीं बोला." उन्होंने कहा कि ये दिखाता है कि क्या बोलना चाहिए, क्या नहीं बोलना चाहिए, इसके बारे में राहुल गांधी की सोच में स्पष्टता नहीं होती है. भाजपा ने सीधे-सीधे राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो अपना स्टैंड साफ करें और जवाब दें कि वक्फ की 8 लाख से अधिक संपत्तियों पर एक भी स्कूल, कॉलेज या अस्पताल आखिर क्यों नहीं है. क्या राहुल गांधी इस बात से नाखुश हैं कि इस कानून के माध्यम से गरीब और बेसहारा मुस्लिमों को सहायता मिलेगी, जिनकी संपत्ति वक्फ के नाम पर हड़प ली गई थी, इनमें गरीब और विधवाओं की संपत्तियां भी शामिल हैं. भाजपा ने राहुल गांधी से ये भी सवाल किया कि यदि इस कानून से पसमांदा मुस्लिमों और ओबीसी मुस्लिमों को फायदा मिल रहा है तो आखिर उन्हें क्यों तकलीफ हो रही है. बहरहाल भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां भी इस मुद्दे पर अब अलग-अलग राज्यों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वक्फ कानून की बारीकियों से लोगों को अवगत करवाएंगी और बताएंगी कि ये कानून मुस्लिमों के विरोध में नहीं बल्कि हक में है.

प्रधानमंत्री मोदी को रूस के विजय दिवस समारोह के लिए मिला निमंत्रण: विदेश मंत्रालय

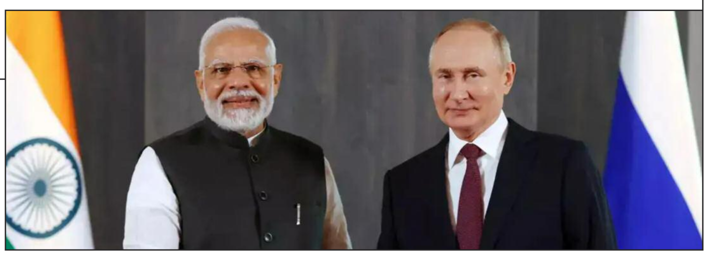

9 मई को रूस में मनाया जाएगा विजय दिवस समारोह

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए रूस से निमंत्रण मिला है. विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी. पीएम मोदी समारोह में भाग लेने जाएंगे या नहीं, इस सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि उचित समय पर इसकी जानकारी दी जाएगी. भारत सरकार के सूत्रों का हवाला देते हुए रशियन न्यूज एजेंसी ळअरर ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 मई को रूस की राजधानी मॉस्को में विजय दिवस समारोह में भाग ले सकते हैं. एजेंसी के सूत्र ने इस मामले पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, परेड के लिए सिंह की मॉस्को यात्रा संभव है." विजय दिवस समारोह द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय का प्रतीक है. इससे पहले फरवरी में, TASS ने बताया था कि पीएम मोदी 9 मई को मास्को के रेड स्क्वायर पर ग्रेट पैट्रियटिक वॉर में विजय की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित परेड के लिए रूस का दौरा कर सकते हैं. इसकी पूरी संभावना है कि ऐसा होगा. TASS द्वारा उद्धृत सैन्य स्रोत के अनुसार, यह उल्लेख किया गया था कि, "भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक इकाई की रेड स्क्वायर पर परेड में भागीदारी के मुद्दे पर भी काम किया जा रहा है, जिसे रिहर्सल के लिए परेड से कम से कम एक महीने पहले पहुंचना चाहिए." प्रधानमंत्री मोदी पिछले साल अक्टूबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर रूस की यात्रा पर गए थे.

वे 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कजान में रूस की अध्यक्षता में आयोजित हुए थे. यह 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी रूस यात्रा थी. जुलाई में वे 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मास्को गए थे. रूस की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी. प्रधानमंत्री मोदी को मॉस्को के क्रेमलिन में रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से भी सम्मानित किया गया था.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने मुहर लगाई........

नौसेना को बड़ी ताकत, हिंद महासागर में बढ़ेगी क्षमता

64 हजार करोड़ में फ्रांस से 26 मरीन राफेल खरीदेगा भारत

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। भारत ने फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दे दी है। 64 हजार करोड़ रुपये से अधिक के इस सरकारी सौदे पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। इससे भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी। फ्रांस को अनुबंध के तहत सौदे पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 37 महीनों के भीतर पहला राफेल मरीन विमान देने की बाध्यता होगी। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए बोइंग एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट की जगह फ्रांसीसी राफेल मरीन को चुना है। भारत और फ्रांस के बीच इस बारे में लम्बे समय से चल रही बातचीत पूरी हो चुकी है। पहले इस वित्तीय वर्ष में ही सौदे पर हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन संसद के बजट सत्र के कारण इसमें देरी हुई है। भारतीय नौसेना के मल्टी-रोल कैरियर बोर्न फाइटर के लिए आपातकालीन खरीद नीति के तहत सरकार-से-सरकार सौदे के माध्यम से 26 एयरफ्रेम प्राप्त किए जाएंगे। पहले इस तरह के 57 विमान खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में यह संख्या घटाकर 26 कर दी गई है। भारत की जरूरतों के लिहाज से फ्रांसीसी कंपनी ने परमाणु सक्षम एक 'राफेल मरीन' स्की-जंप करने की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए भारत भेजा था। विमानवाहक आईएनएस 'विक्रांत' के लिए भारतीय नौसेना ने पिछले साल जनवरी में गोवा स्थित आईएनएस हंसा में समुद्री लड़ाकू विमान 'राफेल मरीन' का परीक्षण किया था। वायु सेना के राफेल जेट और समुद्री संस्करण 'राफेल मरीन' में एक अंडरकारेज और नोज व्हील, एक बड़ा अरेस्टर हुक, एक एकीकृत सीढ़ी जैसे कई अन्य मामूली अंतर हैं। 'राफेल मरीन' स्की टेक-ऑफ के लिए चार-पांच टन तक बाहरी भार ले जा सकता है। राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा।

बिहार में आसमानी आफत ने मचाया कोहराम

4 जिलों में बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । बिहार में एक बार फिर से आसमानी आफत ने तबाही मचाई है। यहां बेगूसराय और मधुबनी में कुल 7 लोगों की मौत हुई है। बेगूसराय में जहां 4 लोगों की तो मधुबनी में 3 लोगों की मौत हुई है। लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है। बेगूसराय में देर रात मौसम बदलने के बाद तेज बारिश हुई। इसी दौरान ठनका की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। भगवानपुर प्रखंड क्षेत्र की मोख्तियारपुर पंचायत के मानोपुर गांव स्थित वार्ड संख्या 01 निवासी 13 वर्षीय अंशु कुमारी पिता रामकुमार सदा की मौत हो गई। बलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर में ठनका गिरने से वृद्ध कामगार की मौत हो गई। उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक भगतपुर के 60 वर्षीय बिरल पासवान है। दोनों भूसा ढोने के लिए बहियार जा रहे थे।साहेबपुरकमाल के सनहा नवटोलिया की एक अधेड़ महिला इंदिरा देवी की भी ठनका से मौत की सूचना है। मशुदनपुर दियारा पथ के मोहनपुर ढाब के समीप की घटना बताई जा रही है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोला बहियार में फसल देखकर लौट रहे एक किसान ठनका के चपेट में आकर उसकी मौत हो गई है।मृत्तक सूजा निवासी स्वर्गीय कामो महतो के 45 वर्षीय पुत्र पंकज महतो बताया जा रहा है। मधुबनी में बुधवार की सुबह ठनका (वज्रपात) गिरने से पिता-पुत्री समेत 3 की मौत हो गई। पहली घटना झंझारपुर के पिपरौलिया में हुई। ठनके की चपेट में आने से खेत की ओर गई एक महिला की मौत हो गई। वह रेवन महतो की पत्नी रेखा थी। वहीं, अंधराठाढ़ी के रुद्रपुर के अलपुरा गांव में ठनका गिरने से बाप-बेटी की मौत हो गई। 62 वर्षीय जाकिर 18 वर्षीया पुत्री आयशा को लेकर खेत में जमा गेहूं के बोझे को ढकने के लिए तिरपाल लेकर जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ। यहां बीती रात से ही बारिश हो रही है। इससे मधुबनी शहर की सड़कों पर पानी भर गया है। दरभंगा के भी कुछ इलाकों में बारिश हुई है। दरभंगा के जाले में मंगलवार की रात तेज हवा के कारण लोगों के कच्चे घरों के छप्पर उड़ गए। दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र में बुधवार को तेज आंधी के साथ हुई वर्षा में वज्रपात से दो लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि लदहो पंचायत के कटैया गांव निवासी स्व. लखन चौपाल के 68 वर्षीय पुत्र जवाहर चौपाल सुबह के आठ बजे अपने खेत गेहूं की थ्रेसरिंग के लिए गए थे।

एक दर्जन नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की तैयारी

इन राज्यों में नेटवर्क का होगा विस्तार

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । इंडियन रेलवे आगामी कुछ महीनों में करीब एक दर्जन नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने जा रहा है. इनके रूट के बारे में अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की मंजूरी के बाद लिया जाएगा. रेलवे के इस कदम का उद्देश्य वंदे भारत ट्रेनों के नेटवर्क को बढ़ाना है. भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान को आगे बढ़ाते हुए रेलवे ने भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की थी. यह आधुनिक, कुशल और आरामदायक रेल यात्रा के लिए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक बन गई है. पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 15 फरवरी 2019 को दिल्ली-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी मार्ग पर लॉन्च की गई थी. इसकी स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटे थी. रेलवे अब कुल 102 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं (51 ट्रेनें) चला रहा है, जो ब्रॉड गेज (बीजी) विद्युतीकृत नेटवर्क वाले राज्यों को जोड़ती हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, अन्य राज्यों तक अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए रेलवे जल्द ही बिहार, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक में भी नई वंदे भारत ट्रेनें लॉन्च कर सकता है. पीएमओ से अंतिम मंजूरी के बाद इस दिशा में काम चल रहा है. अगले तीन महीनों में लगभग एक दर्जन नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं. विभिन्न क्षेत्रों में रेल नेटवर्क के विस्तार से कनेक्टिविटी, पहुंच और आर्थिक विकास में सुधार होगा. नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत का उद्देश्य शहरों और कस्बों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और यात्रा के समय को कम करना है. रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, वंदे भारत ट्रेनों में यात्रा करने के लिए लगभग 31.84 लाख लोगों ने बुकिंग कराई थी. इस अवधि के दौरान वंदे भारत ट्रेनों में 96.62 प्रतिशत सीटें बुक हुईं.

दिल्ली समेत 8 राज्यों में हीट-वेव का येलो अलर्ट लेकिन इस दिन होगी बारिश

दिल्ली में 48 घंटे बाद बारिश की संभावना

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। दिल्ली समेत उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में बुधवार के लिए लू चलने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब सहित उत्तरी मैदानी इलाकों के अधिकांश भागों में अगले चार से पांच दिनों तक लू चलने की संभावना है। आईएमडी ने मुंबई और उसके पड़ोसी जिलों- ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के लिए येलो अलर्ट जारी किया, जिसमें 10 अप्रैल तक गर्म और उमस भरे मौसम के बने रहने की चेतावनी दी गई। डॉक्टरों ने निवासियों को चेतावनी दी है कि इतनी भीषण गर्मी के संपर्क में आने से हल्के चकत्ते, अत्यधिक पसीने के कारण मांसपेशियों में ऐंठन और हीटस्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने एक समाचार एजेंसी को बताया, "हमने अगले दो दिनों के लिए दिल्ली-एनसीआर में लू चलने की चेतावनी जारी की है। 11 अप्रैल को हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों जैसे पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 अप्रैल तक लू की स्थिति बनी रहेगी, जिसके बाद बारिश की उम्मीद है। उत्तर भारत के लोग जहां सूरज की तपिस से परेशान हैं, वहीं दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर में बारिश का दौर देखा जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में 12 अप्रैल तक गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कई जगहों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। बिहार के कई जिलों में आज हल्की बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग ने 12 अप्रैल तक बेंगलुरु में भी बारिश का अनुमान लगाया है। आईएमडी के अनुसार, अगले तीन दिनों में ओडिशा के अधिकांश हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है, जिसने राज्य के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। रायगढ़, कोरापुट मयूरभंज और कालाहांडी में भारी बारिश होने की उम्मीद है।

बंगाल में वक्फ कानून लागू करने से ममता का इनकार

क्या केंद्र के बनाए लॉ को रोक सकती हैं राज्य सरकारें?

कोलकाता/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । देश में बीते दिन वक्फ कानून लागू हो गया है. केंद्र सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है, जिसमें लिखा है कि वक्फ कानून को 8 अप्रैल से देश में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है. पिछले हफ्ते वक्फ संशोधन विधेयक को पिछले हफ्ते संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति की भी मंजूरी मिल गई थी. इसको लेकर विरोध भी जताया जा रहा है. वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि वक्फ संशोधन कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा. उनका कहना है कि वो अल्पसंख्यक लोगों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी. तो क्या वाकई में ऐसा होता है कि केंद्र के किसी कानून को राज्य की सरकारें लागू करने से मना कर दें?

क्या कहता है अनुच्छेद 256

संसद से पास कानून और केंद्र सरकार के निदेशों को नकारने की घोषणा भले ही राज्यों की सरकारें राजनीतिक लाभ के लिए करें, लेकिन राज्य की सरकारें केंद्र के बनाए कानून और उनके निदेशों का पालन करने से रोक नहीं सकती हैं.

पहले भी देखने को मिला है विरोध

ऐसे में देखा जाए तो राज्य सरकारों के पास ना नुकुर का विकल्प ही नहीं है. उनको संसद की ओर पारित कानून को अपने यहां लागू करना ही होगा. जहां तक राज्यों की शिकायतों का सवाल है, वो इसको लेकर हमेशा सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं. अगर उनको लगता है कि नागरिकों का हनन किया जा रहा है तो वे इसके लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं.

अहमदाबाद अधिवेशन: कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ईवीएम पर बरसे, बीजेपी की आलोचना, कार्यकर्ताओं को नसीहत

● मणिपुर पर भी बोले खरगे, लोकतंत्र खत्म कर रही बीजेपी

अहमदाबाद/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । अहमदाबाद अधिवेशन के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अपने भाषण में अमेरिकी टैरिफ, ईवीएम और संसद में राहुल गांधी के नहीं बोलने का मुद्दा उठाया। साथ ही, कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं को तल्ख अंदाज में नसीहत दी। उन्होंने कहा कि जो काम नहीं करना चाहते हैं, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। जो लोग पार्टी का काम नहीं कर रहे हैं, वह आराम करें। अपने भाषण में खरगे ने ईवीएम को फ्रॉड करार दिया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के विकसित देश ईवीएम को छोड़कर बैलेट पेपर की ओर चले गए। कहीं भी दुनिया में ईवीएम नहीं है, सिर्फ भारत में है। यह सब फ्रॉड है। वे लोग साबित करने के लिए कहते हैं। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे तरीके ईजाद कर लिए हैं, जिससे सिर्फ उन्हें ही फायदा मिल रहा है, लेकिन आने वाले समय में देश के नौजवान उठ खड़े होंगे और कहेंगे कि हमें ईवीएम नहीं चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवालिया अंदाज में पूछा कि महाराष्ट्र में क्या हुआ? राहुल गांधी ने संसद और प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह सवाल उठाया लेकिन सरकार पर इसका कोई असर नहीं हुआ।इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी टैरिफ का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर विषय पर चर्चा करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमारे खिलाफ 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया लेकिन सरकार ने संसद में इस पर कोई चर्चा नहीं होने दी। हमने उसी दोपहर यह मुद्दा उठाया लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। देश की अर्थव्यवस्था में एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है। बीजेपी पर हमला करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 11 साल से सत्ताधारी दल संविधान पर चोट कर रहा है। हमारे संवैधानिक मूल्यों, संवैधानिक प्रावधानों, संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमला हो रहा है और इसको रोकना जरूरी है। हाल में हुए संसद के बजट सत्र में सरकार ने मनमाने तरीके से सदन चलाया। सदन में नेता विपक्ष राहुल गांधी जी को बोलने नहीं दिया गया। लोकतंत्र में यह लज्जा की बात है। ये दिखाता है कि मौजूदा सरकार किस मानसिकता के साथ चल रही है, इसलिए हमें आवाज उठाना जरूरी है। जन सरोकार के जरूरी मुद्दों पर बहस करने के बजाय सरकार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए रात के तीन-चार बजे तक संसद में बहस कराती रही और मणिपुर जैसे मुद्दे पर रात के साढ़े चार बजे बहस शुरू होती है। हमने हमेशा मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करनी चाही, लेकिन कभी भी सरकार इसके लिए नहीं मानी। इसका मतलब है कि सरकार जनता से अपनी नाकामी छिपाना चाहती है। जब देश के लोग सो रहे थे, तब कई महत्वपूर्ण बिल आधी रात को सदन में लाए गए। यह सरकार आहिस्ता-आहिस्ता लोकतंत्र को खत्म कर रही है।

डोनाल्ड ट्रंप को रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज' बताया !

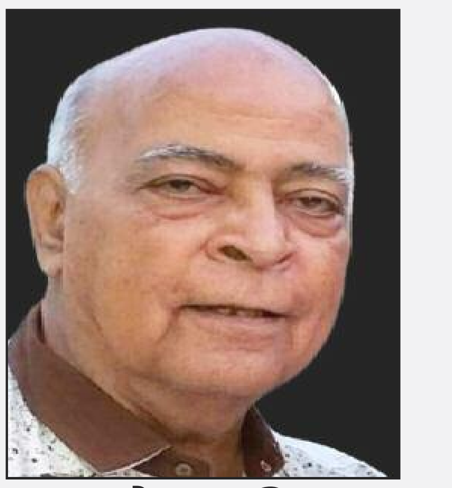

अशोक भाटिया

रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज' है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकियों को यह बात 'किसी दिन' समझ जरूर आएगी। वहीं ट्रंप की इस खूबसूरत चीज यानी टैरिफ के कारण सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों को 19 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनियाभर में टैरिफ लगाने के बाद मार्केट में भूचाल आया हुआ है। भारत समेत लगभग हर देश की स्टॉक मार्केट धड़ाम हो गई। बात अगर भारत की करें तो यहां सेंसेक्स में 3000 से ज्यादा और निफ्टी में 900 अंक से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं ट्रंप ने टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज' है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकियों को यह बात 'किसी दिन' समझ जरूर आएगी। वहीं ट्रंप की इस खूबसूरत चीज यानी टैरिफ के कारण सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों को 19 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। सोमवार बाजार ने अपनी उथल-पुथल के साथ दिखाया कि यह कितना अस्थिर था। यह गिरावट, निश्चित रूप से, सभी देशों पर आयात शुल्क लगाने के ट्रम्प के फैसले का परिणाम है। आयात कर दो चरणों में लागू होंगे. पहला चरण 2 अप्रैल से लागू हुआ था। इसके तहत अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले सभी देशों पर 10 प्रतिशत का न्यूनतम आयात शुल्क लगता था। दूसरा चरण 9 अप्रैल से लागू होगा। उस समय, प्रत्येक देश के उत्पादों पर कर लगाया जाएगा क्योंकि वे अमेरिकी बाजार में प्रवेश करते हैं। जैसे, संयुक्त राज्य अमेरिका अब अमेरिकी उत्पादों पर समान कर नहीं लगाएगा क्योंकि ये देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाते हैं। इस हास्यास्पद 'जैसा है' नीति की घोषणा के बाद से, अमेरिकी पूंजी बाजार गिर रहा है और निवेशकों को लगभग 6.5 ट्रिलियन डॉलर (समग्र भारतीय बाजार का संयुक्त मूल्य 4.5 ट्रिलियन डॉलर) का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट को अब भारतीय बाजार द्वारा समर्थित किया गया है, जो ट्रम्प के आगे क्या है, इसका प्रतिबिंब है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध में अमेरिका में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और एलन मस्क के खिलाफ नारेबाजी की. ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का गुस्सा प्रदर्शनकारियों के नारों में जाहिर हुआ और ट्रंप द्वारा लगाई गई नई टैरिफ बढ़ोतरी आज सचमुच धराशायी हो गई. कई लोगों ने नोट किया है कि यह सबसे बड़ा प्रशासन-विरोधी विरोध था, और यह ट्रम्प के टैरिफ युद्ध पर अमेरिकी लोगों के गुस्से को दर्शाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में मध्यम आयु वर्ग के और वृद्ध लोग हैं, इसलिए सेवानिवृत्ति लाभों का वहां बहुत महत्व है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ अमेरिकियों को इन लाभों का भुगतान करने के लिए मजबूर करेंगे, इसलिए लोग सड़कों पर ले गए हैं। यदि आप कुछ पाना चाहते हैं, तो आपको कुछ खोना होगा। जापान

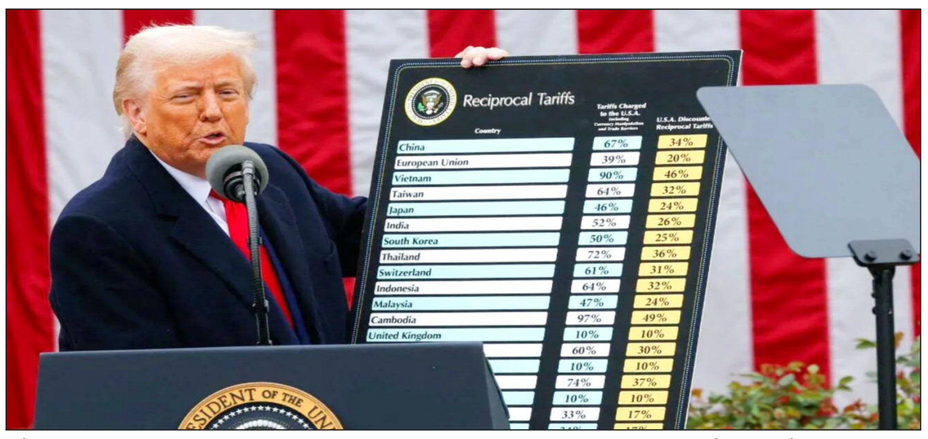

और ब्रिटेन सहित कई विश्व नेताओं ने ट्रम्प के साथ टैरिफ पर बातचीत की है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प उनकी बात नहीं सुनेंगे। ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ सबसे पहले नेशनल मॉल में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए थे और लहर धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल रही है। इसी तरह के समूह कई अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका ध्यान ट्रम्प पर है। वे मस्क और कई अरबपतियों पर हमें बर्बाद करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं, जिस पर ट्रम्प ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ ने दुनिया को हिला दिया है, कुछ का कहना है कि भारत सबसे कम प्रभावित हुआ है। लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि वैश्विक बाजार सदमे और भ्रम की स्थिति में हैं। जबकि ट्रम्प के टैरिफ ने मुक्त व्यापार को चोट पहुंचाई है, कुछ ने कहा है कि मुक्त व्यापार के झटके को गंभीर रूप से चोट नहीं पहुंचाई जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि अमेरिकी टैरिफ युद्ध का वैश्विक बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वित्तीय बाजार अनिश्चितता से भरा है, इसलिए लोगों को यह पहचानना चाहिए कि स्थिति को स्वीकार करना और बिना किसी तत्काल निर्णय के शांति से निर्णय लेना आज की जिम्मेदारी है। ट्रंप के ट्रेड टैरिफ शेयरों में जो गिरावट आई है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है . दुनिया को 1929 की वैश्विक मंदी याद आ रही होगी जब अमेरिका में भी ऐसी ही मंदी आई थी और फिर अमेरिका ढह गया था । तब संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर थे। शेयर बाजार ढह गया था और उनके समय में कई लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। आज, इस स्थिति के बावजूद, अमेरिका अभी भी उसी दयनीय स्थिति में है। आज, अमेरिकी लोग सड़कों पर हैं और इसके नतीजे पूरी दुनिया में हैं। वहाँ हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में आज के विरोध प्रदर्शन को सबसे बड़ा कहा जाता है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ युद्ध ने एक और गंभीर परिणाम सामने लाया है: वैश्विक अर्थव्यवस्था ने एक हिट लिया है, और यह प्रत्येक देश पर निर्भर है कि दुनिया इससे कैसे उबरेगी। उद्योग में गिरावट आई है और प्रतिशोधी खतरों की लहर चल रही है, जिससे दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी माहौल बन रहा है और चीन संयुक्त राज्य अमेरिका पर धमकाने का आरोप लगा रहा है। यूरोपीय संघ ने अमेरिका पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं है। यह बिल्कुल सच है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने टैरिफ वापस लेने का आह्वान किया है। बेशक, यह सच है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इसे स्वीकार नहीं करेगा। यह एक स्थिति है। लेकिन ट्रम्प और उनके सहयोगियों को परवाह नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यह राष्ट्रपति अपनी 'क्रांतिकारी' नीतियों के लिए अपनी ही बुद्धिमत्ता की तारीफ करने में व्यस्त है! इतना कि वह अभी भी ढहते बाजार पर ध्यान देने की आवश्यकता महसूस नहीं करता है। इसके विपरीत, वह नागरिकों को कुछ समय के लिए कुंजी सहन करने की सलाह देता है। बेशक, थोड़ी देर के लिए, वह यह कहने की आवश्यकता महसूस नहीं करता कि वास्तव में कितना है। उन्होंने कहा, "अमेरिका के खजाने में अरबों डॉलर आने लगे हैं। उनके पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि उन्होंने इन अरबों डॉलर को कहां से आते देखा। ट्रम्प का दावा है कि उनके कार्य "दवा" हैं। अगर किसी विश्व महाशक्ति के मुखिया को दवा और जहर में फर्क भी नहीं पता है तो इस 'दवाई' का सेवन करने वालों के लिए मुश्किल है। ट्रम्प और उनके साथी स्वार्थ के भ्रम में इतने हैं कि इसके बजाय वे अन्य देशों को खुद को चेतावनी दे रहे हैं। "अन्य देशों को समान कर वृद्धि के साथ अमेरिकी टैरिफ वृद्धि का जवाब नहीं देना चाहिए," वह सलाह देते हैं। चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाब देने की हिम्मत का पहला सम्मान है। चीनी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के अमेरिका के फैसले के बाद चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर ऐसे ही टैरिफ बढ़ाने का फैसला किया था। ट्रंप ने कहा, 'चीन को इस तरह के फैसले पर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी। इसका मतलब है कि ट्रम्प उम्मीद करेंगे कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने हाथ बांध देगा। चीन ने भी ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई और इसके बजाय संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाबी कार्रवाई की। एक तरफ, जहां अमेरिकी खुद बड़े पैमाने पर ट्रम्प की नीतियों के साथ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे, यहां तक कि प्रतिद्वंद्वी चीन जैसे देशों ने भी ट्रम्प को बताया कि वह अपने फैसले के साथ क्या सुनना चाहते थे। इस संदर्भ में, एक अन्य व्यक्ति जो इस संदर्भ में उल्लेखनीय है, सिंगापुर के प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग हैं, जिन्होंने टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करने का मार्ग अपनाया और नागरिकों से देश के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। वास्तव में, सिंगापुर और अमेरिका इतने बड़े व्यापार नहीं हैं कि दुनिया को नोटिस किया जा सके। वोंग खुद इस बात से अवगत हैं और अपने देश की ताकत के बारे में किसी भ्रम में नहीं हैं। व्यापार युद्ध के जोखिम की संभावना है, और चूंकि हम वैश्विक व्यापार श्रृंखला का भी हिस्सा हैं, वोंग ने स्वेकी को आसन्न खतरे की चेतावनी दी है, इसलिए स्पष्ट रूप से कि आप भी इससे प्रभावित होंगे। सिंगापुर वास्तव में लोकतंत्र नहीं है। फिर भी यह तथ्य कि उस देश के प्रमुख को नागरिकों को विश्वास में लेने की आवश्यकता महसूस होती है, को सिस्टम की अखंडता के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। वे यहीं नहीं रुकते। वोंग ट्रम्प के कार्यों की आलोचना करने से कतराते नहीं हैं क्योंकि "एक आक्रामक, संकीर्ण-बाजार रवैये का संकेत, और इसलिए खतरनाक। "डब्ल्यूटीओ द्वारा बनाई गई प्रणाली 100 प्रतिशत निर्दोष नहीं हो सकती है। लेकिन वही देश जिसने इसे बनाने की पहल की, वह सिस्टम को तोड़ने की कोशिश कर रहा है, "वोंग ने कहा, यह सुझाव देते हुए कि दुनिया अब मंदी की ओर बढ़ रही है। यह निश्चित रूप से सराहनीय है कि इतने छोटे देश के प्रमुख को इतना स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार

अमृता आर. पंडित

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया। उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमशः दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्जवला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया। मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है, आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है। पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढ़ने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढ़ने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पड़ने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला। क्योंकि इसके कारण बढ़ी महंगाई के चपेटे में समूची दुनिया आ सकती है। सरकार को तत्काल विचार करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

अपने-अपने फायदे

आज का दौर ऐसा हो गया है जहाँ पंथ, जाति, मजहब, भाषा और क्षेत्र के नाम पर हर कोई अपने-अपने फायदे की तलाश में है। दिखावा ऐसा किया जाता है मानो सब कुछ समाज के हित में हो रहा हो, लेकिन पर्दे के पीछे सब अपने स्वार्थ साधने में लगे हैं। आम आदमी की भावनाओं का उपयोग ही नहीं, बल्कि खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। राजनीतिक नेता वोट बैंक के गणित में उलझे रहते हैं, धर्मगुरु अनुयायियों की भीड़ बढ़ाने में व्यस्त हैं, और सामाजिक संगठन अपने छिपे हुए एजेंडे को आगे बढ़ाने की होड़ में हैं। इस पूरे खेल में जो सबसे ज्यादा पीसता है, वह है - बिचारा आम आदमी। **आम आदमी की जरूरतें सीधी और साधारण हैं** – रोजी-रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा। लेकिन हर बार उसे जाति-मजहब के नाम पर बाँट दिया जाता है। चुनावों में वादों की बरसात होती है, लेकिन जैसे ही सत्ता मिलती है, वही वादे धूल चाटते नजर आते हैं। धर्म और पंथ के नाम पर नफरत की दीवारें खड़ी की जाती हैं, ताकि सत्ता और प्रसिद्धि की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकें। जाति आधारित आरक्षण से लेकर धार्मिक दंगों तक, हर बार खून-पसीना आम आदमी का ही बहता है। स्कूल बंद होते हैं, अस्पताल बेबस होते हैं, और खेत सूने हो जाते हैं। बेरोजगारी बढ़ती है, महँगाई सिर चढ़ती है, और किसान आत्महत्या कर लेते हैं। फिर भी, आम आदमी इन्हीं झूठे नारों में उलझा रहता है। सोचने-समझने की ताकत को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर कर दिया गया है, ताकि वह सवाल न पूछ सके। लेकिन वक़्त आ गया है कि वह जागे, अपने अधिकार पहचाने और असली मुद्दों पर जवाब माँगे। जब तक आम आदमी जाति, मजहब और पंथ के झूठे चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकलेगा, तब तक "अपने-अपने फायदे" उठाने वालों का खेल यूँ ही चलता रहेगा। अब समय है कि हम सब मिलकर एक आवाज उठाएँ – इंसानियत, समानता और एकता की - ताकि आने वाली पीढ़ियाँ एक बेहतर भारत में साँस ले सकें।

योगेन्द्र सिंह

बढ़ती गर्मी में घटता जल

भारत के सबसे बड़े महानगरों में से एक मुंबई की प्यास बुझाने का दारोमदार जिन सात जलाशयों पर है, उनमें मार्च के चौथे हफ्ते में ही महज 37.67 प्रतिशत पानी बच रह गया। इन जलाशयों में फिलहाल 5 लाख 45 हजार 183 मिलियन लीटर पानी है। दावा है कि यह जल बमुश्किल मई महीने तक चल पाएगा। हर दिन 400 करोड़ लीटर पेयजल की मांग वाले इस महानगर में समय से पहली आई गर्मी ने पानी का गणित बिगाड़ दिया है। गर्मी के कारण जलाशयों में वाष्पीकरण तेज हो गया है। इसलिए जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। देश के दूसरे संरक्षित जलाशयों के हालात भी मुंबई से बेहतर नहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के अधिकांश बड़े जलाशयों में पानी उनकी कुल क्षमता के मुकाबले 45% तक कम हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है, तीखी गर्मी यानी जमा जल का अधिक वाष्पीकरण। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। जलाशय आरक्षित जल-कुंड हैं, जो खेती-किसानी की जान होते हैं। अभूत से कल-कारखाने भी इनके पानी पर निर्भर हैं। पेयजल तो है ही। यदि इन जलाशयों में पानी पर वाष्पीकरण की चोट गहरी हुई तो जान लें कि रबी और खरीफ के बीच तीसरी फसल लेने वाले खेत खाली ही रहेंगे। यदि जलाशय खाली, नदी सूखी तो बहुत सी जल विद्युत परियोजनाओं का ठप होना भी तय है। चिलचिलाती गर्मी में बिजली की कमी बड़े स्तर पर हाहाकार का न्योता है। संकट अकेले जलाशयों का नहीं है, नदियां भी समय से पहले सूख रही हैं। नदियों का सूखना अकेले पानी की कमी ही नहीं होता, इससे समूचे पर्यावरणीय तंत्र का नुकसान होता है। जमीन की नमी कम होने से ले कर जलजंगल के जीव तक इससे प्रभावित होते हैं, और यह समूचा तंत्र जंगलों के नुकसान का कारण बनता है। खून से लाल बस्तर की जीवन रेखा कहलाने वाली इंद्रावती नदी फरवरी के अंतिम हफ्ते में ही मैदान बन गई। बालाघाट की बावन थड़ी नदी हो या फिर अम्बिकापुर की बांकी नदी या बदायूं की सोत नदी, हर जगह जलधर की जगह रेत का मैदान है और लगता है कि नदी वास्तव में पानी के लिए नहीं, बल्कि बालू के लिए होती है। यह बात सीडब्ल्यूसी कह रहा है कि देश की 20 नदी घाटियों में से 14 में मौजूदा जल भंडार उनकी क्षमता के मुकाबले आधे से भी कम है। इन नदी बेसिनों में से गंगा अपनी सक्रिय क्षमता के मुकाबले मात्र

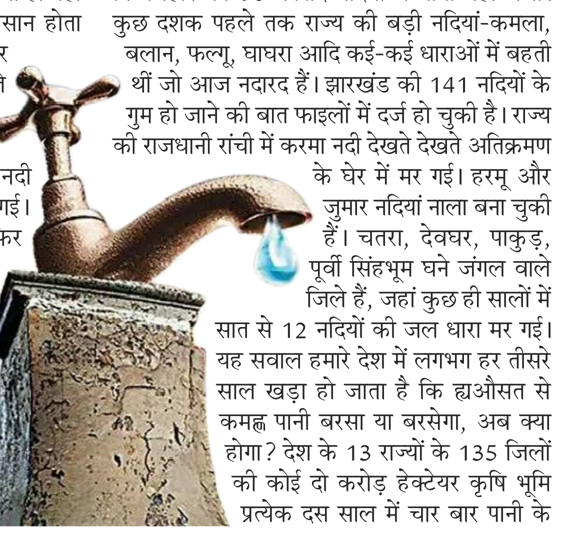

50 फीसद पर है, जबकि गोदावरी में 48, नर्मदा में 47 और कृष्णा में 34 फीसद पानी ही शेष बचा है। यह परिदृश्य भूजल के लिए सबसे बड़ा खतरा है और हमारे देश की अधिकांश ग्रामीण जल योजनाएं भूजल पर ही निर्भर हैं। बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि बिहार की 90 फीसद नदियों में पानी नहीं बचा। कुछ दशक पहले तक राज्य की बड़ी नदियां-कमला, बलान, फल्गू, घाघरा आदि कई-कई धाराओं में बहती थीं जो आज नदारद हैं। झारखंड की 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में दर्ज हो चुकी है। राज्य की राजधानी रांची में करमा नदी देखते देखते अतिक्रमण के घेर में मर गई। हरमू और जुमार नदियां नाला बना चुकी हैं। चतरा, देवघर, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूम घने जंगल वाले जिले हैं, जहां कुछ ही सालों में सात से 12 नदियों की जल धारा मर गई। यह सवाल हमारे देश में लगभग हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि ह्यऔसत से कमह्ल पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि-त्राहि करती है। अभी तक तो कम बरसात की आंशका होते ही दाल, सब्जी व अन्य उत्पादों के दाम बाजार में आसमानी हो जाते थे लेकिन अब बाजार पर सबसे अधिक असर गर्मी के आंकड़ों का है। इसके बावजूद बढ़ते तापमान के साथ पानी के इस्तेमाल की हमारी आदतें नहीं सुधर रहीं। असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डाल कर पानी खींचना होता था या चापाकल चला कर पानी भरना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलींचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूबवेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में भी हमारी आत्मा नहीं कांपती है। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलवा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्त्रोतों-तालाब, कुओं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ साल भर के पानी की कमी से जूझने की रही है। हम भूल जाते हैं कि प्रकृति पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, और इस चक्र को गतिमान बनाए रखना हमारी महती जिम्मेदारी है।

पंकज चतुर्वेदी

इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण केस (1975)

राजेश श्रीवास्तव

1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी रायबरेली सीट से विजयी हुईं। उनके प्रतिद्वंद्वी, राज नारायण, जो एक समाजवादी नेता थे, ने उनके चुनाव को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी और अवैध तरीकों का इस्तेमाल किया था। इस मुकदमे ने भारतीय न्यायपालिका और लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया। न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक सम्मानित न्यायाधीश थे, जो अपनी ईमानदारी और निष्पक्षता के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 12 जून 1975 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया और उन पर छह साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया। यह पहली बार था जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री के चुनाव को अदालत ने अवैध ठहराया था। न्यायमूर्ति सिन्हा पर किसी राजनीतिक दबाव का असर नहीं हुआ और उन्होंने संविधान व कानून के आधार पर स्वतंत्र रूप से फैसला दिया। इस फैसले के मुख्य आधार यह थे कि इंदिरा गांधी ने अपने चुनाव प्रचार के लिए सरकारी अधिकारियों (यशपाल कपूर) की मदद ली, जो सरकारी सेवा में रहते हुए उनके लिए काम कर रहे थे। उनके चुनावी भाषणों में धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल हुआ, जो चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन था। सरकारी मशीनरी और धन का उपयोग चुनाव प्रचार में किया गया। इस फैसले से भारतीय राजनीति में भूचाल आ गया और इंदिरा गांधी की सत्ता पर संकट आ गया। इंदिरा गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। तत्कालीन अवकाशकालीन(vctiof)जज न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्णा अय्यर ने आंशिक राहत दी। उन्होंने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की अनुमति दी, लेकिन संसद में वोट डालने का अधिकार नहीं दिया। यह फैसला न्यायिक संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। न्यायमूर्ति सिन्हा के फैसले के बाद 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया गया, और न्यायपालिका पर भी दबाव डाला गया। इंदिरा गांधी सरकार ने संसद में 39वां संविधान संशोधन पारित किया। इस संशोधन के तहत प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को न्यायिक समीक्षा से बाहर कर दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि सुप्रीम कोर्ट इंदिरा गांधी के खिलाफ कोई प्रतिकूल फैसला न दे सके। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने की, जिसमें मुख्य न्यायाधीश ए. एन. रे, न्यायमूर्ति हंसराज खन्ना, न्यायमूर्ति के. के. मैथ्यू, न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती और न्यायमूर्ति एम. एच. बेग शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 39वें संविधान संशोधन को रेट्रोस्पेक्टिव रूप से लागू किया, यानी यह संशोधन पिछली घटनाओं पर भी प्रभावी माना गया। इसके आधार पर, इंदिरा गांधी के चुनाव को वैध ठहराया गया। न्यायमूर्ति हंसराज खन्ना ने इस फैसले पर असहमति जताई थी और इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए घातक बताया। संविधान संशोधन को पूर्वव्यापी रूप से लागू करने के पक्ष में सरकार का तर्क था कि संसद को यह अधिकार है कि वह संविधान संशोधन के जरिए कानून की व्याख्या बदले और इसे पिछले मामलों पर भी लागू करे। इस फैसले ने संवैधानिक संकट को टालने में मदद की और सरकार को स्थिरता दी। लेकिन आलोचकों का कहना था कि रेट्रोस्पेक्टिव संशोधन न्यायिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। संविधान का उद्देश्य किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण देश के लिए होता है। न्यायपालिका के फैसले को बदलने के लिए संविधान संशोधन का उपयोग एक खतरनाक उदाहरण था। न्यायमूर्ति हंसराज खन्ना ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। इस केस ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। 39वें संविधान संशोधन ने न्यायपालिका को सीमित कर दिया। आपातकाल के बाद, 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनने पर न्यायिक स्वतंत्रता बहाल हुई। हंसराज खन्ना को न्यायिक स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा। इंदिरा गांधी केस भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। न्यायमूर्ति सिन्हा का फैसला ऐतिहासिक रहा। 39वें संशोधन ने न्यायपालिका को सीमित करने का प्रयास किया। संविधान संशोधन को रेट्रोस्पेक्टिव रूप से लागू करने का निर्णय न्यायिक स्वतंत्रता पर आघात था। आपातकाल के बाद न्यायपालिका की स्वतंत्रता को फिर से बहाल करने के प्रयास हुए। यह केस दिखाता है कि राजनीतिक शक्तियां संविधान को अपने हित में बदल सकती हैं, लेकिन कुछ न्यायाधीश अपने कर्तव्य को निडरता से निभाने के लिए हमेशा खड़े रहेंगे।

गोकुलपुरी हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में सोमवार रात प्रेम-प्रसंग से नाराज भाइयों द्वारा बहन के प्रेमी की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस टीम अन्य आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनके बेटे के ऊपर चार लोगों ने हमला किया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को भी पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में कर लिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अभी तक जांच में दो ही आरोपित सामने आए है। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान अगर किसी ओर की भूमिका सामने आयेगी तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं मृतक हिमांशु की मां लक्ष्मी ने आरोपितों के खिलाफ फांसी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर रात गोकुलपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक को चाकू मार दिया है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीपुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान हिमांशु उर्फ चीकू (19) के रूप में हुई। पुलिस ने उक्त मामले में दो आरोपित भाई साहिल (22) और शाहरुख (19) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने 27 किलो गांजा के साथ चार आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी जिले की नारकोटिक्स स्क्वायड ने नंद नगरी इलाके से चार ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों से 27 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसकी कीमत 13 लाख 50 हजार रुपये है। आरोपितों से तस्करी में इस्तेमाल दो लग्जरी कार भी बरामद हुई है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान गामड़ी एक्सटेंशन निवासी 30 वर्षीय वसीम, 27 वर्षीय अभिषेक, गाजीपुर निवासी 42 वर्षीय महेश चंद्र और 40 वर्षीय ओमपाल सिंह के तौर पर हुई है। डीसीपी ने बताया कि सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर नारकोटिक्स स्काड के इंस्पेक्टर किरण पाल के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल राजीव, हेड कांस्टेबल आदेश, हेड कांस्टेबल रविंद्र, कांस्टेबल सतीश, कांस्टेबल शुभम और कांस्टेबल बलराज की टीम ने एसीपी विवेक के त्यागी के सुपरविजन में नंद नगरी इलाके से दो संदिग्ध गाड़ियों को रोककर छानबीन की। दोनों गाड़ियों में तलाशी लेने पर उसमें रखे दो प्लास्टिक बैग से 27 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद नंद नगरी थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों कार में सवार चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। वहीं डीसीपी ने बताया कि गांजा और कार को जब्त कर लिया गया है और आरोपितों से पूछताछ कर उनके स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

अभिभावकों ने फीस बढ़ोतरी के विरोध में डीपीएस द्वारका के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीस बढ़ोतरी के विरोध में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) द्वारका के बाहर बुधवार को अभिभावकों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने फीस नहीं देने पर स्कूलों में छात्रों के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया। एक अभिभावक सौरभ ने कहा कि उनका बच्चा 11वीं कक्षा में पढ़ता है। उसे लाइब्रेरी में बैठाया जाता है। पिछले 21 दिनों से कई छात्रों को स्कूल पहुंचने पर लाइब्रेरी में बैठाया जा रहा है। उन्हें बताया गया है कि उन्होंने फीस का भुगतान नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सात अप्रैल को संवाददाता सम्मेलन करके निजी स्कूलों के लगातार वर्षों में फीस बढ़ोतरी के आंकड़े प्रस्तुत किए थे और कहा था कि सरकार सभी का ऑडिट कराने जा रही है। उन्होंने बताया कि डीपीएस स्कूल (द्वारका) ने 2020 से लेकर 2025 तक बीते पांच सालों में लगातार 20, 13, 9, 8, 7 फीसदी फीस बढ़ाई गई है। पिछली सरकार के शासन में सृजन स्कूल में 35 फीसदी फीस बढ़ाई गई। सृजन स्कूल में साल 2024-25 में 36 फीसदी फीस बढ़ाई गई। एलकॉन इंटरनेशनल ने 15 करोड़ रुपये बिना मर्जी के खर्च कर घपला किया था, फिर भी उस स्कूल को 2022-23 में 15 फीसदी फीस बढ़ाने की अनुमति दे दी गई। एलकॉन स्कूल ने 2024-25 में 13 फीसदी फीस बढ़ाई फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। एंजल पब्लिक स्कूल ने 42 लाख रुपये अनियमित्ता के लिए नोटिस दिया गया था। फिर भी स्कूल ने 2022-23 में 14 फीसदी फीस बढ़ा दी। रुकमिनी देवी पब्लिक स्कूल ने 11 फीसदी फीस बढ़ाई। लैंसर कॉन्वेंट ने 2024-25 में 34 फीसदी फीस बढ़ाई थी। सलवान पब्लिक स्कूल ने 2023-24 में 23.84 फीसदी और 2024-25 में 14.68 फीसदी फीस बढ़ाई।

पारा चढ़ते ही बिजली की मांग बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पारा चढ़ने के साथ बिजली की मांग भी बढ़ने लगी है। बुधवार को दिल्ली में इस सीजन की सर्वाधिक मांग 5, 462 मेगावॉट दर्ज की गई है। मंगलवार को भी बिजली की मांग पांच हजार मेगावॉट को पार कर गई थी। बिजली आपूर्ति कंपनियों का कहना है कि मांग बढ़ने के बाद भी आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं है। वह बिजली आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गर्मी में इस बार दिल्ली में बिजली की मांग 9, 000 मेगावॉट को पार करने की उम्मीद है। बिजली कंपनियों का कहना है कि इस मांग के पूर्वानुमान को देखते हुए उसके लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इस बार बिजली आपूर्ति में हरित ऊर्जा की बड़ी भूमिका होगी। गर्मियों के लिए बीएसईएस ने 2, 100 मेगावॉट हरित ऊर्जा की व्यवस्था की है। सौर ऊर्जा के प्लांटों से बीएसईएस को 888 मेगावॉट ऊर्जा मिलेगी। हाइड्रो प्लांट से 546 मेगावॉट बिजली उपलब्ध होगी। इसके अलावा 500 मेगावॉट ऊर्जा विंड पावर से मिलेगी। उपभोक्ताओं के छतों पर लगे रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों से भी 197 मेगावॉट बिजली उपलब्ध होगी।

आईपी कॉलेज पहुंची सीएम रेखा गुप्ता, पुराने दिनों को किया याद, बोलीं- यहां की छात्राएं देश का नाम ऊंचा कर रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय (आईपी कॉलेज) पहुंचीं। यहां उन्होंने कुछ अनुभव, भावुक कहानी और कॉलेज की खासियत पर बात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईपी कॉलेज ने देश की कई बेटियों को ऐसा मंच दिया, जिन्होंने पूरे देश का नाम रोशन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारे में 'बेटी बढ़ाओ' जोड़कर इसे नया रूप दिया।

रेखा गुप्ता ने बताया कि उनके पास कई कॉलेजों के निमंत्रण आए, लेकिन उन्होंने आईपी कॉलेज को चुना, क्योंकि यह 100 साल का ऐतिहासिक पड़ाव है। उन्होंने कहा, ÷यहां से निकलीं ढेर सारी लड़कियां आज देश का नाम ऊंचा कर रही हैं। देश के कोने-कोने से छात्राएं सपनों के साथ यहां आती हैं।÷

अपने छात्र जीवन को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन की अध्यक्ष थीं, तब भी वे इस कॉलेज में आती थीं। उन्होंने बताया, '1996 में उनके कार्यकाल के दौरान ही कॉमन एडमिशन फॉर्म शुरू हुआ था, जिससे पहले हर कॉलेज के लिए अलग-अलग फॉर्म भरने पड़ते थे। यहां छात्राएं को-एड कॉलेज की छात्राओं से ज्यादा निडर और आजाद होती हैं। यह जिंदगी का ऐसा समय है, जो हमेशा याद रहता है।'

रेखा गुप्ता ने कॉलेज के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े इतिहास का जिक्र करते हुए सुचेता कृपलानी का उदाहरण दिया। बोलीं, 'वह देश की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और आज मैं इस मुकाम पर हूं। यह सफर लंबा और प्रेरणादायक है।'

उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे को आगे बढ़ाते हुए 'बेटी बढ़ाओ' का आह्वान किया। एक भावुक कहानी साझा की। बोलीं, 'मैंने एक कहानी सुनी थी जिसमें एक मां ने अपनी नवजात बेटी को ठंड में छत पर छोड़ दिया था, लेकिन वह बच्ची जिंदा रही। इस घटना ने मुझे प्रेरित किया। सोचने पर मजबूर किया कि अगर एक दिन की बच्ची हार नहीं मानती, तो मैं संघर्ष कैसे छोड़ सकती हूं?' उन्होंने कहा, 'मेरी मां ने मेरा साथ दिया, तभी मैं आज यहां हूं। बेटियों को कभी हार नहीं माननी चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने छात्राओं से कहा कि अगर वह चार बहनों वाले साधारण परिवार से निकलकर दिल्ली की मुख्यमंत्री बन सकती हैं, तो हर छात्रा कुछ भी हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा, 'आपको तय करना है कि आप कहां पहुंचना चाहती हैं। कोई सुनीता विलियम्स की जगह ले सकती है, तो कोई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की। बस ठान लीजिए, कोई बाधा आपको रोक नहीं सकती।'

उन्होंने दिल्ली के विकास को भारत के विकास से जोड़ा और कहा कि दिल्ली सरकार आईपी कॉलेज के साथ मिलकर कई परियोजनाएं शुरू करेगी। दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में आप सभी की भूमिका होगी। यह नया अध्याय हम सब मिलकर लिखेंगे। रेखा गुप्ता ने छात्राओं को संदेश दिया, ÷यह जीवन सिर्फ अपने लिए नहीं, देश के लिए भी जीना है। आपके पास ढेर सारी संभावनाएं हैं। जब आप कुछ ठान लेती हैं, तो कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती।'

बंगाल की संस्कृति की अनदेखी भाजपा को पड़ेगी भारी : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के चित्तरंजन पार्क इलाके में मांस और मछली की दुकानों को लेकर विवाद छिड़ गया है। इस विवाद के केंद्र में एक वीडियो है, जिसमें कुछ लोग डीडीए मार्केट स्थित एक मंदिर के बगल में चल रही मांस-मछली की दुकानों को जबरन बंद कराने की कोशिश कर रहे हैं। यह मामला अब राजनीतिक रंग ले चुका है, जहां आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर सीधा हमला बोला है। 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'भाजपा को देश की संस्कृति के बारे में कुछ नहीं मालूम। वे व्हाट्सएप पर जो देखते हैं, उसे ही सच मान लेते हैं। चित्तरंजन पार्क में बंगाली समुदाय के लोग रहते हैं, जो सबसे ज्यादा शिक्षित और समझदार हैं। बंगाल की संस्कृति की अनदेखी भाजपा को भारी पड़ेगी।' उन्होंने कहा कि जिस प्रांगण में मां दुर्गा की पूजा होती है, वहां मांस और मछली भी प्रसाद स्वरूप चढ़ाई जाती है। बंगाली समाज नवरात्र में भी मांसाहार करता है, यह उनकी सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने सवाल उठाया, 'डीडीए ने इन दुकानों को कानूनी रूप से आवंटित किया है। ऐसे में भाजपा समर्थकों द्वारा गरीब दुकानदारों को धमकाना और धौंस जमाना बिल्कुल गलत है। भाजपा अपनी ताकत सिर्फ गरीबों पर ही क्यों दिखाती है?' आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, 'अगर भाजपा को मांस-मछली की दुकानों से इतनी परेशानी है, तो उन्हें पहले डीडीए से सवाल करना चाहिए, जिसने ये दुकानें आवंटित की हैं। गरीब दुकानदारों को परेशान करना और उन पर अत्याचार करना कहीं न कहीं भाजपा की उगाही की मंशा को दर्शाता है।'

दिल्ली से 253 श्रद्धालुओं का जत्था, बैसाखी और खालसा साजना दिवस मनाने के लिए पाकिस्तान रवाना हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा बैसाखी और खालसा साजना दिवस के मौके पर दिल्ली से 253 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना किया गया जो पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद वापस लौटेगा। गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब से अरदास करने के बाद जत्था रवाना किया गया। दिल्ली कमेटी के सलाहकार परमजीत सिंह चढ़ोक द्वारा सभी श्रद्धालुओं का सम्मान किया गया। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने भी जत्थे में जाने वाली संगतों को बधाई दी।

सरदार चढ़ोक ने बताया कि इस बार देश भर से 6751 श्रद्धालुओं के वीजे लगे हैं। खालसा साजना दिवस के मौके पर गुरुद्वारों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं ने आवेदन किया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने 253 वीजे अप्लाई किए थे और सभी वीजे स्वीकृत हो गए हैं। उन्होंने बताया कि यह जत्था 10 अप्रैल को सुबह 6 बजे वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करेगा। आधा समूह गुरुद्वारा पंजा साहिब जाएगा और आधा गुरुद्वारा करतारपुर साहिब।

उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को दोनों जत्थे ननकाना साहिब में एकत्र होंगे और 12, 13 और 14 अप्रैल को बैसाखी मनाएंगे। जो श्रद्धालु पहले पंजा साहिब गए हैं, वे करतारपुर साहिब जाएंगे और जो करतारपुर साहिब गए हैं, वे पंजा साहिब जाएंगे। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को यह जत्था लाहौर पहुंचेगा और वहां गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करने के बाद 19 अप्रैल को भारत वापस लौटेगा। कमेटी द्वारा सरदार दलजीत सिंह सरना को इंचार्ज बनाकर उनके नेतृत्व में जत्था भेजा गया है।

सरदार परमजीत सिंह चढ़ोक ने कहा कि यह पहली बार है कि जिन वीजों के लिए आवेदन किया गया था, सभी स्वीकृत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सब दिल्ली के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह काहलों के मंत्रालय से संपर्क करने के कारण संभव हो पाया है, जिसके कारण सभी वीजे स्वीकृत हुए हैं और कोई वीजा खारिज नहीं हुआ। उन्होंने इस संदर्भ में भारत और पाकिस्तान दोनों सरकारों का धन्यवाद किया।

ब्लू स्टार ने बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अपनी कमर्शियल रेफ्रिजरेशन सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स की विशाल रेंज को लॉन्च किया

नई दिल्ली/ भव्य खबर। ब्लू स्टार लिमिटेड ने आगामी गर्मी के सीजन के लिए कमर्शियल रेफ्रिजरेशन प्रोडक्ट्स की एक विशाल रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें ऐसे प्रोडक्ट्स हैं, जो विभिन्न रेफ्रिजरेशन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। कंपनी ने अपने कमर्शियल रेफ्रिजरेशन व्यवसाय का विस्तार करने और देश में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने की योजना बनाई है।

ब्लू स्टार की व्यापक कमर्शियल रेफ्रिजरेशन सॉल्यूशंस रेंज

ब्लू स्टार ने 80 वर्षों की समृद्ध विरासत और विशेषज्ञता के साथ कमर्शियल रेफ्रिजरेशन प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस की व्यापक रेंज विकसित की है। ये सॉल्यूशंस हॉर्टिकल्चर, फ्लोरीकल्चर, केला पकाने, डेयरी, आइसक्रीम, पोल्ट्री, प्रोसेस्ड फूड्स, क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स, होटल, रेस्टोरेंट व कैफे/कैटरिंग, सेरिकल्चर, मरीन, फार्मास्युटिकल और हेल्थकेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस पोर्टफोलियो में डीप फ्रीजर्स, स्टोरेज वॉटर कूलर्स, बॉटल्ड वॉटर डिस्पेंसर्स, विजी कूलर्स/फ्रीजर्स, कोल्ड रूम्स और अन्य रेफ्रिजरेशन प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जो विभिन्न इंडस्ट्रीज के लिए संपूर्ण समाधान देते हैं।

डीप फ्रीजर्स ब्लू स्टार के डीप फ्रीजर्स –26त्उ तक बेहतर कूलिंग परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं, जो पूरी तरह से ट्रॉपिकलाइज्ड, एनर्जी-एफिशिएंट और कन्वर्टिबल कूलिंग मोड्स के साथ आते हैं। ये मोड कूलर और फ्रीजर के बीच स्विच कर सकते हैं। डिजिटल टेम्परेचर कंट्रोलर के साथ ये फ्रीजर्स कई कलर वेरिएंट्स में उपलब्ध हैं और 60 लीटर से 600 लीटर तक की कैपेसिटी में आते हैं। 375 लीटर की क्षमता वाला कूलर-कम-फ्रीजर, 300 लीटर से 500 लीटर के बॉटल कूलर्स और 100 लीटर से 600 लीटर के ग्लास टॉप डीप फ्रीजर्स की रेंज के साथ कंपनी डेयरी, आइसक्रीम, फ्रोजन फूड्स, रेस्टोरेंट्स, कन्वीनियंस स्टोर्स, हॉस्पिटैलिटी और सुपरमार्केट जैसी इंडस्ट्रीज की जरूरतों को पूरा करती है।

स्टोरेज वॉटर कूलर्स

बढ़ती मांग के बीच, ब्लू स्टार के स्टोरेज वॉटर कूलर्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, कॉर्पोरेट ऑफिसेज और कमर्शियल एस्टैबलिशमेंट्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कूलर्स तेज कूलिंग के लिए मजबूत कंप्रेसर, फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील इनर टैंक्स, इको-फ्रेंडली रेफ्रिजरेंट्स और स्प्लैशिंग रोकने के लिए एक्स्ट्रा-लार्ज स्टेनलेस स्टील वॉटर ट्रे के साथ फास्ट ड्रेनेज सिस्टम से लैस हैं।

बॉटल्ड वॉटर डिस्पेंसर

ब्लू स्टार के बॉटल्ड वॉटर डिस्पेंसर कई मॉडल्स में उपलब्ध हैं, जो हॉट, कोल्ड और नॉर्मल पानी की सुविधा प्रदान करते हैं। इन डिस्पेंसर्स में फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील टैंक, कम बिजली खपत और सुरक्षा के लिए हॉट वॉटर फॉसेट पर चाइल्ड-लॉक की सुविधा दी गई है। बॉटम लोडिंग डिस्पेंसर रेंज पानी के जार को आसानी से स्टोर और रीफिल करने की सुविधा देती है, जिससे भारी जार उठाने की जरूरत नहीं होती।

विजी कूलर्स/फ्रीजर्स

ब्लू स्टार के विजी कूलर्स न सिर्फ बेवरिजेस और जल्दी खराब होने वाले उत्पादों को ताजा रखते हैं, बल्कि रिटेल आउटलेट्स, रेस्टोरेंट्स और कमर्शियल स्पेस के लिए आकर्षक डिस्प्ले सॉल्यूशन भी प्रदान करते हैं। ये यूनिफॉर्म कूलिंग सुनिश्चित करते हैं और इंटीरियर एलईडी लाइट्स, गर्म तापमान के लिए ट्रॉपिकलाइजेशन और ब्रांड की विजिबिलिटी बढ़ाने के लिए बैकलिट कैनोपी के साथ आते हैं। विजी कूलर्स की रेंज 50 लीटर से 1200 लीटर तक के मॉडल्स में उपलब्ध है, जबकि विजी फ्रीजर 450छ कैपेसिटी में आता है, जो यूनिफॉर्म कूलिंग, लो-ई के साथ डबल-ग्लेज्ड टेम्पर्ड ग्लास डोर, स्पष्ट दृश्यता और फ्रॉस्ट-फ्री डिस्प्ले की सुविधा देता है।

कोल्ड रूम्स

ब्लू स्टार के कोल्ड रूम सॉल्यूशंस नवीनतम तकनीक और मजबूत मैटेरियल्स से तैयार किए गए हैं, जो विभिन्न तापमान-संवेदनशील आवश्यकताओं के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करते हैं। इन इंटीग्रेटेड कोल्ड रूम सॉल्यूशंस में प्री-इंजीनियर्ड पीयूएफ इंसुलेटेड पैनल्स के साथ हर्मेटिक, सेमी-हर्मेटिक और रैक रेफ्रिजरेशन सिस्टम्स शामिल हैं। कंपनी ने अपने कोल्ड रूम पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए इन्वर्टर-बेस्ड रेफ्रिजरेशन यूनिट्स, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स के लिए कोल्ड चेन सॉल्यूशंस और आईओटी सिस्टम्स भी पेश किए हैं।

अन्य रेफ्रिजरेशन प्रोडक्ट्स

ब्लू स्टार किचन रेफ्रिजरेशन सॉल्यूशंस की विस्तृत रेंज भी पेश करता है, जिसमें रीच-इन चिलर्स और फ्रीजर्स, ब्लास्ट फ्रीजर्स, बैक बार चिलर्स, अंडरकाउंटर्स, आइस मशीन्स और सलाडेट्स शामिल हैं। व्यक्तिगत और पेशेवर स्पेस के लिए 50 लीटर मिनी बार रेंज कॉम्पैक्ट, कुशल और सुरुचिपूर्ण तरीके से डिजाइन की गई है। हेल्थकेयर रेफ्रिजरेशन सॉल्यूशंस को मेडिकल और फार्मास्युटिकल स्टोरेज की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस रेंज में फामेर्सी रेफ्रिजरेटर्स, अल्ट्रा-लो टेम्परेचर फ्रीजर्स, आइस-लाइनड रेफ्रिजरेटर्स और वैक्सीन ट्रांसपोर्टर्स शामिल हैं, जो जो विभिन्न चिकित्सा और दवा भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

सुपरमार्केट रिटेल रेफ्रिजरेशन रेंज में मल्टीडेक चिलर्स और फ्रीजर्स शामिल हैं, जो 4 फीट से 12 फीट तक के साइज में प्लग-इन और रिमोट दोनों विकल्पों में उपलब्ध हैं। ये यूनिट्स मल्टीप्लेक्सिंग ऑप्शंस, एनर्जी-सेविंग नाइट कर्टेन्स जैसी उन्नत सुविधाएं प्रदान करते हैं।

विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार

ब्लू स्टार के सभी डीप फ्रीजर्स और वॉटर कूलर्स अत्याधुनिक वाडा और अहमदाबाद स्थित प्लांट्स में तैयार किए जाते हैं, जो कंपनी की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द ग्लोब'पहल के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। वाडा प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3 लाख डीप फ्रीजर्स और 1 लाख वॉटर कूलर्स है, जबकि अहमदाबाद प्लांट की समर्पित क्षमता 1 लाख डीप फ्रीजर्स के निर्माण के लिए है। वाडा प्लांट में कोल्ड रूम पैनल्स, एवापोरेटिंग यूनिट्स और कंडेंसिंग यूनिट्स का निर्माण भी किया जाता है।

सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज

एनर्जी एफिशिएंसी, सस्टेनेबिलिटी और इको-फ्रेंडली इनोवेशन में अग्रणी ब्लू स्टार की आरएंडडी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट टीम्स ग्राहक-केंद्रित डिजाइन और पर्यावरण हितैषी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। कंपनी लो-जीडब्ल्यूपी रेफ्रिजरेंट्स और इको-फ्रेंडली इंसुलेशन ब्लोइंग एजेंट्स का इस्तेमाल करती है, जो भारत में अपनी तरह का पहला है। हरियाली को बढ़ावा देने वाली तकनीकों को अपनाने के लिए कंपनी को भारत सरकार द्वारा लगातार सम्मानित किया गया है।

डिस्ट्रिब्यूशन और सर्विस नेटवर्क का विस्तार

ब्लू स्टार के 2100 सेल्स और सर्विस चैनल पार्टनर्स को पूरे देश के 900 शहरों में रेफ्रिजरेशन प्रोडक्ट्स की बिक्री, इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस के लिए प्रशिक्षित किया गया है। कंपनी एयर कंडीशनिंग और कमर्शियल रेफ्रिजरेशन दोनों के लिए भारत की प्रमुख आफ्टर-सेल्स सर्विस प्रोवाइडर है। ब्लू स्टार का गोल्ड स्टैंडर्ड प्रोग्राम 24/7 कस्टमर सपोर्ट, सर्विस ऑन व्हील्स, मोबाइल ऐप्स और तकनीकी विशेषज्ञता जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

भविष्य की संभावनाएं

ब्लू स्टार लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बी थ्यागराजन कहते हैं, 'कमर्शियल रेफ्रिजरेशन इंडस्ट्री में तेजी से विकास हो रहा है, जिसकी मांग आइसक्रीम ओईएम्स, क्यूएसआर चेन, होरेका सेक्टर, क्विक कॉमर्स, फूड रिटेल और हेल्थकेयर सेक्टर से बढ़ रही है। खासकर जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों के लिए घर से बाहर उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति एक प्रमुख विकास कारक है। हम अपनी बाजार नेतृत्व स्थिति को मजबूत करने के लिए इनोवेटिव, ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की एक विस्तृत रेंज पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने और संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजिटलाइजेशन और आईओटी टेक्नोलॉजीज में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। आगामी गर्मी के मौसम और विविध उत्पाद रेंज के साथ हमें इस वित्तीय वर्ष और उसके आगे की वृद्धि संभावनाओं पर पूरा भरोसा है।

विश्व चैंपियन रश्मि कुमारी ने प्रतिभाशाली महिलाओं को श्री शक्ति अवार्ड से नवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में देश की प्रतिष्ठित महिलाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह आयोजन दिल्ली की अग्रणी सामाजिक संस्था चौधरी फाउंडेशन द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करना और उनके उत्कृष्ट कार्यों को सार्वजनिक मंच पर पहचान दिलाना है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कैरम खिलाड़ी और विश्व चैंपियन रश्मि कुमारी रहीं, जिन्होंने अपने हाथों से इन प्रतिभाशाली महिलाओं और बालिकाओं को सम्मानित किया। श्री शक्ति अवार्ड पाने वालों में विभिन्न क्षेत्रों से आईं प्रतिभाएं शामिल थीं। इनमें परिशीता गुप्ता, जो शतरंज की गोल्ड मेडलिस्ट हैं, आद्या गुप्ता और देवजानी तमोली, जो टीम चैंपियनशिप और गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं, तथा पायलट सुश्री पूर्वा निर्मल शामिल हैं। इन सभी महिलाओं ने न केवल अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने महिलाओं के सामाजिक, शैक्षिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में बढ़ते योगदान पर जोर दिया। मुख्य अतिथि रश्मि कुमारी ने कहा कि आज की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं, और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उनके योगदान को पहचान और मंच मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और समाज में महिला सशक्तिकरण की जरूरत पर बल दिया।

चौधरी फाउंडेशन की अध्यक्ष सपना चौधरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि यह अवॉर्ड उन महिलाओं के लिए एक सलाम है, जिन्होंने न सिर्फ अपनी प्रतिभा से समाज में बदलाव लाने का कार्य किया है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक भी बनी हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे वे अपने अधिकारों को पहचानें और आत्मनिर्भर बनें। कार्यक्रम में फोक डांस, भाषण और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया।

मंच पर युवतियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर डॉक्टर परविंदर सिंह, विजयेंद्र कुमार सिंह, अतुल मिश्रा, मृत्युंजय सिंह, सुषमा राठी, अजय कुमार समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। इस आयोजन ने न केवल प्रतिभाओं को सम्मानित किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नए आयाम भी स्थापित किए।

यूपी में कानून व्यवस्था पर गरजीं मायावती

कह छोटी-छोटी बातों पर हो रही हत्याएं, फतेहपुर कांड से सहमा प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था एक बार फिर विपक्ष के निशाने पर है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने फतेहपुर में मामूली विवाद के बाद एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि 'प्रदेश में छोटी-छोटी बातों पर हत्याएं हो रही हैं, यह प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का नतीजा है।' मायावती ने यह भी कहा कि सरकार को यह देखना चाहिए कि आखिर प्रदेश में कानून व्यवस्था क्यों बिगड़ रही है। बसपा सुप्रीमो ने मृतकों के परिजनों को समय रहते न्याय दिलाने की मांग की है और प्रदेश सरकार को चेताया है कि कानून-व्यवस्था की अनदेखी आगे चलकर बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। फतेहपुर की घटना ने न सिर्फ वहां के लोगों को, बल्कि पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। विपक्ष लगातार सरकार से जवाब मांग रहा है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक केवल औपचारिक बयानबाजी ही सामने आई है। फतेहपुर जिले के अखरी गांव में मंगलवार सुबह भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के जिला उपाध्यक्ष पप्पू सिंह (50), उनके बेटे अभय (22) और भाई पिंकू सिंह (45) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल रास्ते में पप्पू सिंह का ट्रैक्टर खड़ा था। पूर्व प्रधान सुरेश कुमार उर्फ मुन्ना सिंह बाइक लेकर निकले, तो रास्ता बाधित था। ट्रैक्टर हटाने की बात पर दोनों परिवारों में पहले बहस फिर खूनी संघर्ष हो गया। थोड़ी देर में सुरेश सिंह के बेटों और परिवार के लोगों ने पप्पू सिंह और उनके भाई व बेटे को घेरकर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। 20-25 राउंड फायरिंग की गई। इस मामले में पुलिस ने सुरेश कुमार सिंह सहित 6 नामजद और 2 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों परिवारों में प्रधानी चुनाव के समय से रंजिश चल रही है। सुरेश के परिवार को हराकर पप्पू सिंह की मां प्रधान चुनी गई हैं। पप्पू सिंह का अभय इकलौता बेटा था, उनकी पत्नी का 15 साल पहले मौत हो चुकी है। फतेहपुर पुलिस ने बुधवार को इस मामले में फरार चल रहे पीयूष सिंह और सज्जन सिंह को एक शार्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिस की घेराबंदी से बचने के लिए फायर किया। इस पर पुलिस की जवाबी हमले में दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सुरेश सिंह, भूपेंद्र व विवेक मंगलवार को ही सरेंडर कर दिए थे। अयोध्या में दलित महिला की हत्या (30 जनवरी 2025) : अयोध्या में 22 वर्षीय दलित महिला की हत्या के मामले में जमकर राजनीति हुई थी। तब भी विपक्षी दलों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए और सरकार की आलोचना की थी। अयोध्या पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों दिग्विजय, हरिराम कोरी व विजय साहू को गिरफ्तार करते हुए मामले का खुलासा कर चुकी है। तीनों ने शराब के नशे में वारदात को अंजाम दिया था। बाद में उसके नग्न शव को गावं के पास सुनसान नहर में फेंक दिया था। गुलफाम सिंह यादव की हत्या (10 मार्च 2025) : संभल के गुन्नौर इलाके में उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता, गुलफाम सिंह यादव (70), की जहरीला इंजेक्शन देकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को दबोच चुकी है। राजनीतिक रंजिश में महेश प्रधान ने ये हत्या कराई थी। महेश ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश धर्मवीर को सुपारी देकर हत्या कराई थी। धर्मवीर ने अपने दो साथियों नेमपाल व मुकेश के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। लखनऊ में महिला की रेपहत्या (19 मार्च 2025) : अयोध्या निवासी 32 वर्षीय महिला लखनऊ में अपने भाई के घर जा रही थीं। बस स्टेशन से उन्होंने एक ई-ऑटो रिक्शा लिया, जिसे अजय कुमार द्विवेदी नामक चालक चला रहा था। अजय और उसके भाई दिनेश कुमार ने महिला को गलत दिशा में ले जाकर सुनसान स्थान पर ले गए। वहां उन्होंने महिला के साथ बलात्कार का प्रयास किया और विरोध करने पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को मलीहाबाद क्षेत्र के एक आम के बाग में फेंक दिया था। पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की मदद से पहले दिनेश को गिरफ्तार किया। फिर 21 मार्च को मलीहाबाद क्षेत्र में अजय को एनकाउंटर में मार गिराया। अजय पर 23 आपराधिक मामले दर्ज थे। वहीं दिनेश पर भी 9 मामले लंबित हैं। इसके बावजूद वे ई-ऑटो रिक्शा चला रहे थे और अपराध करते रहे।

कार के 5 लाख न मिलने पर बहू की हत्या

लखनऊ। सैरपुर इलाके में कार के लिए पांच लाख न मिलने पर ससुरालवालों ने सैन्यकर्मी की बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना को आत्महत्या का रूप दिखाने के लिए गले में रस्सी डाल दी। घटना से तीन घंटे पहले ही लड़की के पिता ससुरालवालों से बातचीत कर जल्द डिमांड पूरी करने की बात कहकर गए थे। उनके जाने के बाद लड़की की बेहरमी से पिटाई कर उसका गला घोंट दिया। मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र को हिरासत में लिया है। हरदोई के ग्राम अतरौली निवासी कृष्ण कुमार सिंह रिटायर्ड सैनिक हैं। रिटायरमेंट के बाद कृष्ण कुमार हरदोई में वकालत करते हैं। कृष्ण कुमार ने बताया कि एक परिचित के जरिए 18 फरवरी 2025 को बेटी उपासना (27) की शादी सैरपुर के ग्राम दुग्गौर निवासी रामकरन के बेटे अभय प्रताप सिंह से की थी। आरोप है कि उन्हें गुमराह करके शादी कराई गई। बताया गया कि अभय अपने भाई आशीष के प्रापर्टी और शराब के बिजनेस में साथ में काम करता है। जबकि ऐसा नहीं था। कृष्ण कुमार ने बेटी की शादी में हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया। लेकिन उसके बाद भी ससुरालवाले डिमांड करते रहे।शादी के बाद उपासना घर पहुंची तो उसके दो दिन बाद ही पति, ससुर, जेठ आशीष, जेठानी सोनम और ममिया ससुर संजीव कम दहेज का ताना देने लगे।

अधिक उपज के लिए खेत में बोएं दो आंख के टुकड़ों वाला गन्ना : ओमप्रकाश गुप्ता

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम बकनहा में शिव मंदिर परिसर में गन्ना विकास गोष्ठी आयोजित कर किसानों को गन्ने की उन्नत खेती की जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने किसानों को खड़ा गन्ना न बने की सलाह देते हुए दो आंख के टुकड़े में गन्ना बोने की अपील की।

श्री गुप्ता ने बताया कि खड़ा गन्ना बोने से जमाव कम होगा और उपज कम होगा व लागत बढ़ेगा। गन्ने का औसत जमाव तीन आंख का गेड़ी काटने पर 30 से 35 प्रतिशत हो रहा है। अधिकतर किसान दो आंख का गेड़ी बो रहे हैं। गन्ने की खेती में सबसे अधिक मजदूरों वव्य पर हो रहा है। गन्ने का टुकड़ा जितना बड़ा होगा जमाव उतना ही काम होगा। किसान खडे गन्ने की बुवाई ना करें। किसान शंकर कुशवाहा , सागर गुप्ता, घनश्याम कुशवाहा के खेत में फोटोग्राफ खींचा गया है। गांव में 15 एकड़ से अधिक गन्ना बोने वाले किसान जन्टु कुशवाहा ने बताया कि मजदूर नहीं मिल रहे हैं । 7 एकड़ गन्ना बोने वाले किसान हंस कुशवाहा, 5 एकड़ गन्ने बोलने वाले किसान अमरनाथ यादव, 8 एकड़ गन्ना बोने वाले किसान राजकुमार गुप्ता, राकेश गुप्ता, सुशील कुशवाहा , आत्मा गुप्ता आदि ने बताया कि एक एकड़ गन्ना बुवाई से लेकर बेचने तक सभी खर्च जोड़ने पर लागत 50 हजार प्रति एकड़ से अधिक आ रहा है। । पोटाश का दाम 800 बोरा से 1600 रुपया हो गया। गेहूं, धान का दाम बढ़ रहा है। परंतु गन्ने का नहीं बढ़ रहा है। डीजल, कीटनाशक, खाद, मजदूरी बढा है। चीनी का दाम बढ़ा है। इस बार गन्ना का रकबा घटेगा। श्री गुप्ता ने कहा कि किसान अपने - अपने पेड़ी गन्ना फसल जाकर खेत में देखें। हर नाली में कितना स्थान खाली है एक फुट खाली होने पर यदि दो गन्ना बनता है तो दो किलो का होता। 400 कुंतल एकड़ उपज लेने के लिए एक एकड़ खेत में 40000 गन्ने की संख्या होनी चाहिए । 1 किलो का एक गन्ना होगा तब 400 कुंतल एकड़ उपज होगा

वार्षिकोत्सव, स्कूल चलो अभियान और अंक पत्र वितरण समारोह

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। तहसील अंतर्गत पूर्व माध्यामिक विद्यालय अंधया के प्रांगण में वार्षिकोत्सव, स्कूल चलो अभियान और अंक पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

आयोजित समारोह में स्कूल चलो अभियान को लेकर निकली रैली को मुख्यअतिथि थानाध्यक्ष कसया ओमप्रकाश तिवारी और खंड शिक्षा अधिकारी विजयपाल नारायण त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्यअतिथि थानाध्यक्ष श्री तिवारी ने छात्र - छात्राओं को अंकपत्र वितरित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन का श्रेय गुरुजनों को जाता है।
जिनकी प्रेरणा से बच्चों परिश्रम कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आगे चलकर ये बच्चे परिवार, क्षेत्र और राष्ट्र का नाम रौशन करेंगे। अध्यक्षता कर रहे खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री त्रिपाठी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे खेल और शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन कर अपनी मेघा का परचम लहरा रहे हैं। विद्यालय में आठवीं में कुमारी श्वेता खरवार प्रथम, तनु खरवार द्वितीय, आदित्य कुशवाहा तृतीय स्थान और कक्षा छः में नवीन नामांकन वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने बीईओ और एसएचओ सहित अतिथियों को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर स्वागत किया। ब्लॉक अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नागेंद्र त्रिपाठी व संचालन प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने किया। इस दौरान सपना शर्मा, रागिनी पांडेय, वीरेन्द्र मिश्र, रामायण कुशवाहा, हृदयानंद पटेल, राम लोचन शर्मा, हृदयानंद पटेल, राम छबीला दूबे अतवारी देवी, रावड़ी देवी, हेड काङ्ग राजेश सिंह, उमेश सिंह सहित छात्र- छात्राओं, अभिभावक मौजूद रहे।

सुजुकी मोटर का कैंपस सलेक्शन 11 अप्रैल को

संवाददाता
कुशीनगर। नगरपालिका परिषद हाटा स्थित गांधी स्मारक इंटरमीडिएट कॉलेज के समीप आर एम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के परिसर में 11 अप्रैल दिन शुक्रवार को समय प्रातः 10 बजे से आयोजित कैंपस सलेक्शन में नौकरी के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।
उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से इंस्टीट्यूट के निदेशक अमित कुमार ने देते हुए बताया कि भाग लेने वाले अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रपत्रों के साथ कैंपस सलेक्शन में भाग ले सकते हैं।

विश्व पटल पर शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करने को संकल्पित है भाजपा: सहजानंद राय

संवाददाता
कुशीनगर।
भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर विधानसभा का सक्रिय सदस्य सम्मेलन बुद्धवार को कसया स्थित गोल्डेन रिजार्ट में सम्पन्न हुआ।
अतिथि गण ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया।
क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। पार्टी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित ह्यएकात्म-मानवदर्शनह्व को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ 6 अप्रैल,

1980 को भाजपा का गठन हुआ। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए हैं। भाजपा भारतीय संविधान में निहित मूल्यों तथा सिद्धांतों के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आधारित राज्य को अपना आधार मानती है। पार्टी का लक्ष्य एक ऐसे लोकतान्त्रिक राज्य की स्थापना करना है जिसमें जाति, सम्प्रदाय अथवा लिंगभेद के बिना सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, समान अवसर तथा धार्मिक विश्वास एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मोदी-योगी वाली डबल इंजन की सरकार ने पूरे देश का चित्र बदल दिया है। भाजपा के शासन में देश आत्म निर्भरता की ओर बढ़ रहा है ।कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त कानून व्यवस्था युक्त प्रदेश बना। देश व प्रदेश सांस्कृतिक एकता के मानबिन्दुओं को सुरक्षित संरक्षित किया गया। उ०प्र० सर्वाधिक एक्सप्रेस वे वाला प्रदेश बना, एयरपोर्ट, मेट्रो, रेलवे, स्वच्छता, हर घर नल योजना, निर्धनों को अनाज, मकान आदि जन कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम है कि भारत विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है ।अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का तीसरा कार्यकाल राष्ट्र की राजनीति और विकास पथ में परिवर्तन के एक नए युग की शुरूआत कर रहा है। एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक, वक्फ संशोधन विधेयक, एक राष्ट्र एक चुनाव, आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से करदाताओं को राहत जैसे कई निर्णय राजनीतिक और सामाजिक विमर्ष की गतिशीलता को बदलने की क्षमता रखते हैं। कुशीनगर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत एवं जिला मीडिया प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक विश्वरंजन कुमार आनन्द ने आभार व्यक्त किया। संचालन पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव ने किया। इस अवसर पर जगदम्बा सिंह, डॉ बच्चा पाण्डेय नवीन, रजनीकांत मणि त्रिपाठी, सुधीर राव,हरिनाथ भाई, अवधेश प्रताप सिंह, डॉ सीमा गुप्ता, चन्द्र प्रभा पाण्डेय, डॉ वीना गुप्ता, कृष्ण कुमार, आद्या पाण्डेय, राजेश राव, अमरजीत कुशवाहा, बच्चा सिंह, किन्नरेश चौबे, डॉ टी एन राव, डॉ छेदी शर्मा, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, दिनेश गुप्ता सहित सैंकड़ों सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

ट्राफिक सीओ शाहरुख खान ने बढते जाम और दुर्घटनाओं को रोकने के लिये अभियान चलाकर ई रिक्शा चालकों के साथ ही आम लोगों से भी ट्राफिक रुल्स फालो करने की अपील की

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश हमीरपुर के तेज तर्रार सीओ ट्राफिक शाहरुख खान ने बढते जाम के साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने के लिये ई-रिक्शा चालकों के साथ ही आम लोगों कोट्राफिक रुल्स फालो करने के लिये जागरूक किया। सीओ ट्राफिक ने अभियान चलाकर ई- रिक्शा चालकों के साथ ही आम लोगों को ट्राफिक रुल्स की बारीकी से जानकारी दी। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों सहित मुख्य मार्गों में ई- रिक्शा चालकों को, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, वदीधारी संकेतों का पालन के साथ ही ओवरस्पीड से बचने के जरुरी रुल्स के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान चालकों को यातायात नियमों को तोड़ने से होने वाले अंजामों के बारे में भी जागरूक किया गया। सीओ ट्राफिक ने खुद सीधे बात चीत के जरिये आम लोगों को ट्राफिक सैक्यूरिटि की अहमियत को सरल जबान में समझाया गया। अभियान नागरिकों में ट्राफिक इंतिजाम को बढ़ावा देने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ ही सुरक्षित यातायात इंतजामों को तय करने की तरफ एक बेहतर पहल की है। इस मौके पर खासतौर से एआरटीओ अमिताभ राय, ट्राफिक इंचार्ज हरवेन्द्र सिंह सहित बुद्ध जीवी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हमीरपुर की कुरारा पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की कुरार पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 71/2025 धारा 115(1)/70(1) बीएनएस के मामले में 31 वर्षीय फरार अभियुक्त श्रीराम साहू पुत्र जंगली प्रसाद साहू को मूसानगर रोड़ राजाराम डिग्री कॉलेज मिश्रीपुर के पास से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से क्राईम इंस्पैक्टर रामकुमार यादव, एस आई रिन्कू तिवारी, कांस्टेबल विजय कुमार सहित
कांस्टेबल शिवम्‍ यादव शामिल रहे

प्रदर्शनी से बच्चों में विकसित होगा वैज्ञानिक दृष्टिकोण- एसडीएम

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। रामकोला ब्लॉक के रामबर बुजुर्ग में स्थित मैना देवी इंटरमीडिएट कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिकों ने अपने द्वारा बनाए गए रोल मॉडल प्रोजेक्ट्स को दिखाया। मुख्य अतिथि पारितोष मिश्र उपजिलाधिकारी कसया व विशिष्ट अतिथि बीएसए रामजियावन मौर्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कक्षा दशवी की छात्रा आस्था राव का नेचुरल फॉर्मिंग का रोल मॉडल, खुशी तिवारी का रोल मॉडल ऑटोमेटेड रोड ब्रेकर, अंकिता कुशवाहा का एनिमल सेफ्टी फ्राम फायर, अनामिका यादव का डीप एरिगेशन, अनुराग गोंड का ब्लाइंड स्टीक, ताहिर अली का हैंड जेनरेटर, शिवम्‍ मिश्र का गैस लीकेज सेंसर प्रोजेक्ट्स आकर्षण का केंद्र रहे। इसी क्रम में मुंबई स्थित फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार दिलीप कुमार यादव उर्फ दल्लू ने भी बच्चों के प्रतिभा को देख उनका मनोबल बढ़ाया। बीएसए कुशीनगर ने कहा कि ये होनहार ही कल के भारत का भविष्य हैं। एसडीएम ने विगत कई वर्षों से सफलतापूर्वक हो रहे विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम व विद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष नवोदय, विद्या ज्ञान, अटल आवासीय विद्यालय परीक्षा में चयन होने पर विज्ञान शिक्षक रमेश यादव व दीपक गुप्ता की पीठ थपथपाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेंद्र कुमार चौबे सहित आदि मौजूद रहे।

हिंदू से शादी कर सबीना बनी सुमन

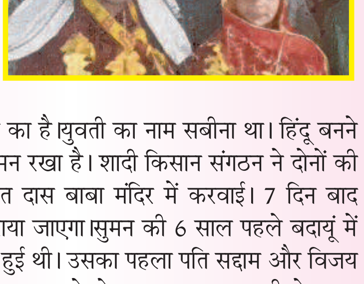

फरुर्खाबाद। में एक मुस्लिम युवती ने हिंदू युवक से शादी कर ली। दोनों की शादी पूरे रीति-रिवाज से मंदिर में हुई। युवती ने कहा कि मेरे पूर्वज हिंदू थे, इसलिए मैंने अपने धर्म में वापसी कर ली है। मामला फरुर्खाबाद से 20 किलोमीटर दूर अमृतपुर गांव का है ।युवती का नाम सबीना था। हिंदू बनने के बाद उसने अपना नाम सुमन रखा है। शादी किसान संगठन ने दोनों की शादी मंगलवार देर रात भारत दास बाबा मंदिर में करवाई। 7 दिन बाद युवती का शुद्धिकरण भी कराया जाएगा ।सुमन की 6 साल पहले बदायूं में एक मुस्लिम परिवार में शादी हुई थी। उसका पहला पति सद्दाम और विजय महाराष्ट्र में एक कंपनी में काम करते थे। सद्दाम अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था। इससे सुमन (27) परेशान रहती थी। विजय और सद्दाम दोस्त थे। विजय (27) अक्सर सद्दाम के घर जाया करता था। इसी दौरान सुमन और विजय में नजदीकियां बढ़ गई।लिव-इन में रह रहे थे विजय और सुमनविजय और सुमन ने साथ रहने का फैसला लिया। सद्दाम को छोड़कर 8 महीने पहले सुमन महाराष्ट्र से फरुर्खाबाद विजय के घर रहने आ गई। दोनों तब से लिव-इन में रह रहे थे। परिवार और समाज का दबाव बढ़ने पर दोनों ने शादी कर ली। सुमन के पहले पति से 2 बच्चे भी हैं। जो इस समय अपने पिता के पास रह रहे हैं ।सुमन ने शादी करने के बाद बुधवार सुबह पुलिस को एक तहरीर भी दी है। युवती ने तहरीर में लिखा, मैंने अपने मन से हिंदू लड़के से शादी की है। मुझसे कोई जबरदस्ती नहीं की गई। मैं विजय से शादी करके बहुत खुश हूं। अपनी ननद, सास और पति के साथ ससुराल में रह रही हूं। अगर मुझे या फिर मेरे परिवार को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी मेरे पुराने ससुराल वालों की होगी ।मामले में क्षेत्राधिकारी अमृतपुर अजय वर्मा ने बताया कि प्रार्थना पत्र संज्ञान में आया है। युवक युवती ने अपने मन से शादी की है। शादी हो जाने के बाद युवती ससुराल चली गई है।

महाराष्ट्र की हिंद सेना बिहार में नहीं चलेगी

शिवदीप लांडे के राजनीति में एंट्री लेते ही भीतरी-बाहरी की लड़ाई शुरू, सिंघम के सामने 3 बड़ी चुनौती

पटना। बिहार के सभी अखबारों के पहले पेज पर फुल ऐड आया। इसमें लिखा था- 'लव बिहार..हेट पॉलिटिक्स..जॉइन द मोस्ट प्रोग्रेसिव पार्टी।' इसका थीम कुछ ये था कि बिहार बेहतर का हकदार है और वो संभव है। इस घोषणा के साथ बिहार के पॉलिटिकल घराने से संबंध रखने वाली पुष्पम प्रिया चौधरी ने चुनाव से बस 7 महीने पहले अपनी पार्टी द प्लूरल्स की घोषणा की थी। इसके बाद अगले 6 महीने उन्होंने बिहार में घूम-घूम कर युवाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की।चुनाव के दौरान द प्लूरल्स पार्टी ने 103 सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारे। नतीजा ये रहा कि इनके कैंडिडेट के लिए जमानत बचाना मुश्किल हो गया था। इन्हें कुल एक लाख 22 हजार 997 वोट मिले। ये कुल वोट का मात्र 0.3 फीसदी वोट शेयर था।अब चुनाव से 6 महीने पहले एक बार फिर से बिहार में सिंघम के

नाम से मशहूर पूर्व कद्दर शिवदीप लांडे ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसके लिए उन्होंने अपनी पार्टी हिंद सेना की घोषणा की है। लांडे सभी 243 सीटों पर कैंडिडेट उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, खुद कहां से लड़ेंगे, इसका खुलासा अभी नहीं किया है।ऐसे में सवाल ये कि महाराष्ट्र के रहने वाले शिवदीप लांडे के लिए बिहार में सियासत की राह कितनी मुश्किल होने वाली है? क्या जाति की राजनीति के लिए देश भर में जानी जाने वाली बिहार शिवदीप लांडे को स्वीकार करेंगी?

क्या क्लीन इमेज के सहारे ये बिहार में सियासत कर सकते हैं?जो बिहार में बदलाव चाहता है, उसका पार्टी में स्वागत है। बिहार के युवा बदलाव चाहते हैं। कई राजनीतिक पार्टियों ने मुझे राज्यसभा भेजने, मंत्री बनाने और मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया, लेकिन मैं बिहार में बदलाव लाना चाहता हूं, इसलिए मैंने नई पार्टी बनाने का फैसला किया।'उनके इस बयान के तुरंत बाद बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने पोस्ट किया, 'इतिहास प्रमाण है बिहार ने देश पर शासन किया है। गणतंत्र की जननी है। बिहार में कोई भी बिहारी ही मुख्यमंत्री होगा। महाराष्ट्र की हिंद सेना बिहार में नहीं चलेगी।'

इन दो बयानों से साफ है शिवदीप लांडे की सियासत में सबसे बड़ा रोड़ा उनका मराठी होना है। उन्हें बाहरी बताकर बिहार की सियासत से दूर करने की कोशिश की जाएगी। दरअसल शिवदीप लांडे महाराष्ट्र के अकोला के रहने वाले हैं। IPS में उनका चयन बिहार कैडर में हुआ था। इस दौरान उनकी तैनाती बिहार के अलग-अलग जिलों में हुई।इस सवाल पर सीनियर जर्नलिस्ट और द हिंदू के असिस्टेंट एडिटर अमरनाथ तिवारी कहते हैं, बिहार में जाति लोगों के जड़ में है। ये राज्य देशभर में कास्ट पॉलिटिक्स के लिए जाना जाता है। इस स्थिति में शिवदीप लांडे के विकास की बात शायद ही कोई सुनें।' एक्सपर्ट बताते हैं, 'यहां लालू यादव को बिहार का नेता बाद में पहले यादव

क्या किसी पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं लांडे

एक सीनियर जर्नलिस्ट नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं 'चुनाव से पहले पॉलिटिकल पार्टियां कई प्रयोग करती हैं। शिवदीप लांडे उस रणनीति का भी एक हिस्सा हो सकते हैं।' दरअसल, शिवदीप लांडे भले चुनाव नहीं जीतें, लेकिन कुछ वोट इधर-उधर कर सकते हैं। विधानसभा चुनाव में ये बहुत मैटर करता है। बहुत कम वोट के मार्जिन से जीत-हार का फैसला तय होता है।

का नेता कहा जाता है। नीतीश कुमार पिछले 20 वर्षों से कोइरी-कुर्मी की सियासत करते आ रहे हैं।' 'बिहार का जातीय समीकरण ही है कि जीतन राम मांझी एक सीट जीत कर केंद्र में मंत्री बन जाते हैं। यही यहां की हकीकत भी है। जाति की सियासत वाले इस राज्य में शिवदीप लांडे शायद ही अपने लिए कोई जगह बना पाएं।'क्लीन इमेज के अलावा लांडे के पास क्या 'शिवदीप लांडे के पास बताने और दिखाने के लिए केवल अपनी क्लीन और सिंघम वाली इमेज है। इसके अलावा उनके पास कोई उपलब्धि नहीं है, जिसे बताकर वे लोगों के साथ कनेक्ट कर सकें। लेकिन ये प्रयोग बिहार में कई बार फेल हो चुका है।' 'डीपी ओझा जैसे बोल्ड और दबंग छवि वाले आईपीएस, जिन्होंने डीजीपी रहते बाहुबली और सीएम की सांठ-गांठ का काला चिट्ठा बाहर कर दिया था।'

साइबर अपराधियों ने 5 लोगों से ठगी की

पटना। साइबर अपराधियों ने पांच लोगों से ठगी की है। सभी मामले साइबर थाने में दर्ज किए गए हैं। डॉ. अली शब्बर सेवा हैं और पीरबहोर थाना क्षेत्र में रहते हैं। शातिर ने उन्हें फोन किया और कहा कि ट्रेजरी से बोल रहा हूं। आपका जीआईसी का फंड रिलीज होना है। इसके बाद उनसे योना एप पर खाता खुलवाया। उनके खाते की गोपनीय जानकारी ले ली और 20.50 लाख रुपए की निकासी कर ली। कंकड़बाग के रंधीर कुमार के खाते से भी अवैध निकासी हो गई।जब बैंक गए तो पता चला कि उनके खाते में मात्र 1.72 लाख रुपए शेष हैं। जांच करने पर पता चला कि अवैध तरीके से यूपीआई के माध्यम से 44,300 रुपए की निकासी हुई है। एक विधान पार्षद के आदेशपाल महेश मंडल को शातिर ने फोन किया। कहा कि आपके पिता का किसान निधि का पैसा आया हुआ है। इसके बाद एक लिंक भेजकर

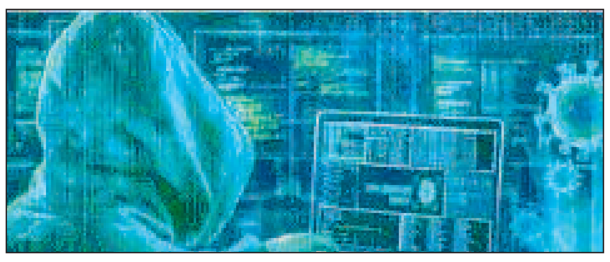

खाते से 35 हजार की निकासी कर ली।बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री के बहाने 97 हजार रुपए ठगेकाजीपुर के कुमार सत्यम को शातिरों ने बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री में मुनाफे का झांसा देकर ठगी कर ली। सत्यम को टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ दिया। इसके बाद सत्यम से एक युवती बात करने लगी। शुरूआत में उसे अमेजन नाम के एक ग्रुप से जोड़ा गया। इसके बाद प्रीपेड टास्क पर कुछ मुनाफा दिया गया। फिर युवती ने सत्यम से बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री पर अधिक मुनाफा मिलने का झांसा दिया और 97,800 रुपए की ठगी कर ली। फुलवारीशरीफ के मनोज कुमार चौधरी को भी बिट क्वाइन और क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद उनसे 49,881 रुपए की ठगी कर ली।नौकरी दिलाने के नाम पर 8 लाख रुपए की ठगीमिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में नौकरी दिलाने के नाम पर गुड्डू कुमार से 8 लाख की ठगी कर ली गई। गुड्डू गांधी मैदान इलाके में रहते हैं। वे वैशाली के गोरौल के रहने वाले हैं। उन्होंने मंतोष कुमार माहली, दीप राज कुमार भट्टाचार्य, मनीष कुमार और प्रभात कुमार के खिलाफ गांधी मैदान थाने में जालसाजी का केस दर्ज कराया है। गुड्डू के अनुसार, मनीष हमेशा महेश होटल में खाना खाने आता था। वह बोकारो के नारायणपुर चास का रहने वाला है। इस दौरान उससे दोस्ती हुई। उसने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।कहा कि वहां के अधिकारियों से संपर्क है। उसकी बातों पर भरोसा करके रकम दे दी। इस जालसाजी में मनीष के साथ दीप राज कुमार, प्रभात और मंतोष कुमार माहली भी शामिल थे। रकम देने के बाद भी नौकरी नहीं लगी और न ही पैसे वापस मिले। उसके बाद सबों ने मोबाइल बंद कर लिया। उधर रियल एस्टेट के कारोबारी मो. कासिम से जमीन बेचने के नाम पर कुछ लोगों ने दो करोड़ रुपए ले लिये। रकम लेने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की। कासिम का ऑफिस गांधी मैदान थाना इलाके में है। उन्होंने गांधी मैदान थाने में केस दर्ज करा दिया।

सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत

आरा । शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में हुए सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत हो गई। इलाज के क्रम में आरा लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी शिव शंकर साह की 35 वर्षीया पत्नी नीता देवी है।मृतका के पति शिव शंकर साह ने बताया कि वह बाइक से अपनी पत्नी के साथ सोमवार की सुबह चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव गांव अपने ससुराल आए थे। सोमवार की दोपहर जब वह पत्नी के साथ अपने घर लौट रहे थे। उसी बीच चादी-जमीरा मार्ग पर जमीरा गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई।जिसके बाद उनके द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा

शहर के स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालात को चिंताजनक देखते हो पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए पटना ले गए। वहां से डॉक्टर द्वारा कहा गया कि अब कोई फायदा नहीं आप इन्हें वापस घर ले जाइए। जिसके बाद परिजन उसे वापस गांव ला रहे थे। तभी कोईलवर के समीप उसने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिजन उसके शव को वापस सदर अस्पताल ले आए। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या

गया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान सुषमा देवी के रूप में हुई है। सुषमा पूर्व सीएम के भांजे की बेटी है। वो अतरी ब्लॉक में विकास मित्र के पद पर काम करती थी, जबकि आरोपी पति रमेश पटना में ट्रक चलाता है।

सुषमा देवी, मृतका

जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे आरोपी ने घर में ही पत्नी के सीने में गोली मार दी और देसी कट्टा फेंककर फरार हो गया।दोनों की 14 साल पहले इंटरकास्ट मैरिज हुई थी। दोनों के 3 बच्चे हैं। घटना अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव की है।

दूसरे कमरे में थी बहन और बच्चे
वारदात के वक्त मृतका की बहन और बच्चे घर पर दूसरे कमरे में ही थे। गोली की आवाज सुनते ही मृतका की बहन और बच्चे मौके पर पहुंचे। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सुषमा के घर पहुंचे। फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी।शादी के बाद रमेश सिंह ने अपना घर बेच दिया था और पत्नी सुषमा के साथ उसके घर में ही जमाई बनकर रहने लगा था।मृतका की बहन पूनम का कहना है कि, 11 बजे वाली बस से जीजा पटना से गया पहुंचे। आंगन में घूम रहे थे। फिर जिस कमरे में दीदी थी, वहां चले गए और लॉक कर लिया। सुषमा का पति रमेश पटना से हर रविवार की सुबह गांव आता था, लेकिन इस बार रमेश बुधवार को गांव आया और घटना को अंजाम देकर फरार हो गया।

इधर, सूचना मिलते ही अतरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर को चारों तरफ से घेर लिया। वहीं, गया एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है।

3 जनाजे उठे,फिर 5 लोगों ने की निकाह की रस्म

पटना। सटे मोकामा में 7 अप्रैल को दरियापुर गांव में मो.रज्जी की शादी थी। शादी वाले दिन ही दूल्हे के भाई सहित 3 लोगों की गंगा में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। शादी वाली घर में अचानक मातम फैल गया। मंगलवार को तीनों शवों को सुपुर्दे खाक किया गया। इसके बाद मंगलवार रात को ही दूल्हा अपने परिवार के 4 लोगों के साथ बेगूसराय पहुंचा और निकाह की रस्म पूरी की, हालांकि लड़की की विदाई नहीं हो पाई।लड़के के घर वालों का कहना है कि इस माहौल में लड़की को घर नहीं लाया जा सकता। लड़की अभी अपने घर पर ही रहेगी। हालात ठीक होने पर लड़की को यहां लाया जाएगा।मृतकों की पहचान मो. मेराज, मो. इब्राहिम और मो. अमीर के रूप में हुई है। मो. मेराज (20) और मो. इब्राहिम (19) दोनों पड़ोसी थे। जबकि, मो. आमिर (18) का घर थोड़ी दूरी पर गांव में ही है। मेराज अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली से आया था।बेगूसराय जानी थी बारात

मृतक इब्राहिम के ममेरे भाई मोहम्मद रज्जी की बारात सोमवार शाम को बेगूसराय के डुमरी गांव जाने वाली थी। घर सजा हुआ था। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं।तीनों मौतों के कारण बारात रोक दी गई। उनके अंतिम संस्कार के बाद निकाह पढ़ा गया। अब दुल्हन की विदाई कुछ महीने बाद होगी।इब्राहिम दसवीं का छात्र था और छह भाइयों में सबसे छोटा था। आमिर नौवीं का छात्र था और दो भाइयों में छोटा था। मेराज दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था और पांच भाइयों में सबसे छोटा था। वह अपने दोस्त मोहम्मद रज्जी की शादी में शामिल होने के लिए पिता के साथ दिल्ली से आया था।इसके बाद एक मछुआरे ने जाल लगाकर शव को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने डूबने से बचाने का प्रयास किया था, लेकिन इन तीनों युवक को बचाने में सफलता नहीं मिली। एसडीआरएफ की टीम दो घंटे तक वहां नहीं पहुंची थी।गंगा बालू की कटाई के कारण ऐसा हादसा होता है। जहां भी बालू काटा जाता है उस स्थान पर वाहन के चालान की जांच की जाए और जहां भी किनारा गहरा हो वहां चेतावनी का बोर्ड लगाया जाए।गंगा में नहाते वक्त डूबे थे 8 लोग, 5 बचाए गएदरअसल, सोमवार को मोकामा के दरियापुर गांव में गंगा में नहाने के दौरान 8 युवक डूब गए थे। इनमें तीन की मौत हो गई थी।

सभी शादी में शामिल होने के लिए गांव के ही मो. रज्जी के घर आए थे। मृतकों में दो रिश्तेदार थे, जबकि तीसरा युवक दूल्हे का दोस्त था।

कैबिनेट के फैसले बैठक में 27 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना। सरकार ने रोजगार और सेवा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 27,370 नए पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। बैठक में 27 एजेंडों पर मुहर लगी। फैसलों की जानकारी कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में दो नए कैडर (पब्लिक हेल्थ और हॉस्पिटल मैनेजमेंट कैडर) का गठन होगा। स्वास्थ्य विभाग में अब 3 निदेशालय काम करेंगे। लोक स्वास्थ्य निदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के गठन की स्वीकृति दी गई है। इनके सुगम संचालन के लिए कुल 20,016 नए पदों का सृजन किया गया है। शीघ्र ही इन पदों पर बहाली होगी। इन दोनों कैडर के अलग होने से क्वालिटी ऑफ सर्विस बेहतर होगी। मरीजों के ट्रीटमेंट और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा।राज्य मंत्रियों और उप मंत्रियों के वेतन-भत्तों में वृद्धिसरकार ने मुख्य सचेतक, सचेतक, उप सचेतक समेत राज्य के विभिन्न आयोग व बोर्ड में तैनात राज्य मंत्री व उप मंत्री स्तर के अध्यक्षों-सदस्यों के वेतन भत्तों में बढ़ोतरी कर दी है। अब उन्हें 1,55,500 की जगह 1,97,000 रुपए मिलेंगे। यात्रा भत्ता 15 रुपए प्रति किलोमीटर की जगह 25 रुपए प्रति किलोमीटर मिलेगा। उप मंत्रियों और राज्यमंत्रियों का वेतन 50,000 से बढ़कर 65,000 रुपए, क्षेत्रीय भत्ता 55,000 रुपए से बढ़ाकर 70,000 और दैनिक भत्ता 3,000 से बढ़ाकर 3,500 रुपए कर दिया गया है। आतिथ्य भत्ता में राज्यमंत्रियों को 24,000 की जगह 29,500 और उपमंत्री को 23,500 की जगह 29,000 रुपए मिलेंगे। सहायक उर्दू अनुवादकों के 3,306 नए पद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में 3,306 सहायक उर्दू अनुवादकों के पद सृजित किए गए

हैं। इनकी तैनाती राज्य के सभी 1,380 थानों में भी की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि राज्य में सहायक उर्दू अनुवादक के पदों की संख्या को बढ़ा कर 3306 किया जाएगा। स्कूलों की निगरानी और सशक्त होगी प्रदेश के 81,399 सरकारी स्कूलों में नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग के लिए बिहार शिक्षा प्रशासन संवर्ग नियमावली 2025 को मंजूरी मिली है। इसके तहत 1,339 नए पद सृजित किए गए हैं। बीपीएससी के जरिए सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 805 पदों पर बहाली होगी। इनसे प्रोन्नति पाकर 534 प्रखंडों में शिक्षा विकास पदाधिकारी तैनात होंगे। हर 10 पंचायत पर एक सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। संविदा के पदों को समाप्त कर दिया गया है। शिक्षा विभाग में परामर्शी के दो पदों का सृजन हुआ है। आईएएस वैधनाथ यादव व पंकज कुमार जो 1 वर्ष के लिए संविदा पर नियुक्त किया गया है। कृषि विभाग में 2590 नए पद सृजित राज्य में कृषि रोड मैप के तहत खेती-किसानी को लाभकारी बनाने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। कृषि रोड मैप के अंतर्गत किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कृषि विभाग में लिपिकीय संवर्ग के 2,590 पदों का पुनर्गठन किया गया है। इससे विभिन्न योजनाओं के संचालन में सुगमता आएगी।

संक्षिप्त डायरी

ट्रक में बाइक टकराने से बच्ची की मौत, पिता घायल

आरा । बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव के समीप मंगलवार को अनियंत्रित होकर बाइक खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में बाइक पर बैठी बच्ची की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।जबकि बाइक चला रहे व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी गंभीर हालत देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। मृत बच्ची जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जज भड़सरा वार्ड नंबर 9 निवासी धर्मेंद्र कुमार पंडित की चार वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारी है। जबकि जख्मी मृत बच्ची के पिता धर्मेंद्र कुमार पंडित हैं।मृत बच्ची की मां सीता देवी ने बताया कि उसकी मां की स्वाभाविक मौत हो गई थी। जिसको लेकर वह अपने पति धर्मेंद्र कुमार पंडित और सात माह के पुत्र दिव्याम कुमार के साथ पुछार में अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के लहठान गांव अपने मायके जा रही थी।रास्ते में तेंदूनी गांव के समीप बाइक और साइकिल की सीधी भिड़ंत हुई थी। जिसमें दोनों जख्मी हो गए थे। उसी घटना को लेकर तेंदूनी गांव के समीप स्थानीय लोगों द्वारा सड़क जाम किया गया था। जिसको लेकर तेंदुनी गांव के समीप ट्रक की लंबी लाइन लगी थी।उसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित खड़ी ट्रक में टकरा गई। इससे बाइक पर आगे बैठी उनकी पुत्री दिव्या कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उनके पति धर्मेंद्र कुमार पंडित गंभीर रूप से जख्मी हो गए।जिसके बाद मृत बच्ची कैसे दिव्या कुमारी के शव को और जख्मी उसके पिता धर्मेंद्र कुमार पंडित को स्थानीय थाना द्वारा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद धर्मेंद्र कुमार पंडित की गंभीर हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।जिसके पश्चात पुलिस ने मृत बच्ची के शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत बच्ची अपने एक भाई व एक बहन में बड़ी थी। उसके परिवार में मां सीता देवी एवं एक भाई दिव्याम कुमार है। घटना के बाद मृत बच्ची के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत बच्ची के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

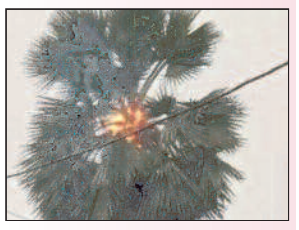

दरभंगा। बिहार के 3 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई है। इनमें सबसे ज्यादा बेगूसराय में 5 की मौत हुई है। वहीं मधुबनी में पिता-पुत्री समेत 3 लोगों की जान गई है। दरभंगा में 2 लोग ठनका की चपेट में आ गए दोनों की मौत हो गई। इधर, 4 जिलों में ओला गिरने का अलर्ट है। वहीं आज यानी बुधवार को 27 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। सुबह-सुबह लखीसराय, मधुबनी में तेज बारिश हुई है। वहीं सहरसा, बेगूसराय के ग्रामीण क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही है। इसके अलावे मुंगेर में बादल छाए हैं, तेज हवा भी चली रही है। दरअसल, असम और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण बिहार तक नमी युक्त हवाएं आ रही है। इसी हवा से उत्तर-पूर्व के इलाकों में मौसम बदला है।राज्य के अलग-अलग भागों में 13 अप्रैल तक मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। बिहार में अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक घटा है। लेकिन न्यूनतम तापमान दो डिग्री बढ़ गया है। न्यूनतम तापमान और हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से उमस का एहसास बढ़ गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जैसे-जैसे न्यूनतम तापमान और हवा में नमी की मात्रा बढ़ेगी गर्मी अधिक महसूस होगी। पटना में मंगलवार का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, लेकिन न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री हो गया। राज्य के अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान 22 डिग्री से 27 डिग्री के बीच रहा। सबसे अधिक न्यूनतम तापमान गया में 27.2 डिग्री दर्ज किया गया। औरंगाबाद के डेहरी में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 39.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया है।मौसम में यह बदलाव फसलों पर भी असर डाल सकता है, इसलिए किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि यदि फसल तैयार है तो जल्द से जल्द कटनी और दौनी कर लें। कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर ढंककर रखें। ताकि बारिश और आंधी से नुकसान न हो।

120 की स्पीड में 65 फीट नीचे गिरी स्कॉर्पियो,4 मौतें

गया। सोमवार रात श्राद्ध कार्यक्रम से लौटते वक्त एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त स्कॉर्पियो 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही थी। स्पीड ज्यादा होने के कारण ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। गाड़ी पहले डिवाइडर से टकराई, फिर पुलिया से 65 फीट नीचे तालाब में गिर गई। स्पीड इतनी थी कि पुलिया पर लगे लोहे के मोटे रॉड तक उखड़ गए।ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी। अगर रफ्तार कम होती तो शायद हादसा नहीं होता।हादसे में ड्राइवर की जान बच गई, लेकिन परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई। घर में अब सिर्फ 3 बुजुर्ग ही बचे हैं। वहीं, मगध मेडिकल कॉलेज में घायल ड्राइवर सिंटू का इलाज चल रहा है। बड़ा बेटा सुमित आनंद (17) बीजेपी कार्यकर्ता था। उसके दोस्त गांधी की दादी की मौत हो गई थी। सुमित ने अपने पिता शशिकांत शर्मा (42) और मां रिंकू देवी (37) से जिद की थी सभी लोग बिहार शरीफ श्राद्ध कार्यक्रम में चलें।पूरा परिवार सोमवार को बिहार शरीफ गया। साथ में छोटा भाई बाल कृष्ण (5) भी था। वहां से देर रात परिवार लौट रहा था। घर पहुंचने के लिए महज 30 किमी का सफर तय करना था। तभी हादसा हो गया। घटना खिजरसराय में दखिनगांव के पास हुई।ग्रामीणों के अनुसार, जिस गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ। उसे शशिकांत बेचने वाले थे। एक व्यक्ति से एक महीने पहले 9 लाख रुपए में डील भी हुई थी, पर बड़ा बेटा सुमित स्कॉर्पियो नहीं बेचना चाहता था।उसने अपने पिता से जिद की थी कि गाड़ी को नहीं बेचिए। गाड़ी में किसी प्रकार की खराबी नहीं थी। गाड़ी इसलिए नहीं बिकी, क्योंकि सुमित को स्कॉर्पियो पसंद थी।वहीं, ड्राइवर सिंटू सहवाजपुर का निवासी है। कुछ दिन पहले तक सिंटू ऑटो चलाता था। कुछ ही दिन पहले शशिकांत ने अपनी स्कॉर्पियो चलाने के लिए रखा था।मां-पिता और दादा की कौन करेगा देखभाल ?बताया गया कि शशिकांत शर्मा का परिवार सुखी-संपन्न था। सूद पर पैसे देने का कारोबार करते थे। दोनों बेटे सुमित और बाल कृष्ण की उम्र के बीच लंबा फासला था, क्योंकि शुरू में शशिकांत एक ही बेटा रखना चाहते थे।

चंडीगढ़ में पासपोर्ट ऑफिस का सर्वर डाउन

अचानक ठप पड़ा कामकाज, अपॉइंटमेंट लेकर पहुंचे लोगों को भारी परेशानी, इंतजार में खड़े

चंडीगढ़। ब्यूरो

चंडीगढ़ में पासपोर्ट ऑफिस का सर्वर डाउन हो गया है। जिससे अचानक सारा कामकाज ठप हो गया। वहीं पासपोर्ट बनवाने पहुंचे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग अपॉइंटमेंट लेकर दूर से भी पहुंचे हुए हैं। ऐसे में जब सर्वर डाउन होने से उनका काम नहीं हो पा रहा है तो वह इंतजार में खड़े हुए हैं।

बता दें कि, किसी भी देश में पासपोर्ट एक अहम सरकारी दस्तावेज होता है। पासपोर्ट से जहां किसी व्यक्ति की पहचान हो जाती है तो वहीं इसके साथ ही उसकी नागरिकता भी साबित होती है। बिना पासपोर्ट के विदेश (कुछ देशों को छोड़कर) जाना भी संभव नहीं हो सकता है। वहीं विदेश में केवल आपके पासपोर्ट के जरिए ही आपकी नागरिकता सिद्ध होती है।

भारत में कैसे बनवाएं पासपोर्ट?

अगर आप भारत में रहते हैं और पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं तो इसके लिए अप्लाई करने को लेकर हम आपको यहां डिटेल बता रहे हैं। सबसे पहले भारत सरकार के पासपोर्ट के आधिकारिक पोर्टल पर आपको ऑनलाइन रजिस्टर करना होगा या यहां पहले से बने अपने अकाउंट पर लॉग इन करें। नए पासपोर्ट/ पासपोर्ट को फिर से जारी करने के लिए आवेदन पर क्लिक करें। इसके बाद जरूरी जानकारी को भरें और सबमिट करें।इसके आगे भुगतान करें और अपॉइंटमेंट को बुक करने के लिए शेड्यूल लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अपना अपॉइंटमेंट चुने। वहीं इसके बाद आपको अपने चुने गए अपॉइंटमेंट के समय पासपोर्ट सेवा केंद्र में जाना होगा। ध्यान रहे कि अपॉइंटमेंट के समय जरूरी दस्तावेज को साथ में रखें। इसके बाद आपका पुलिस वेरिफिकेशन होगा।

फरीदाबाद-निवेश का झांसा देकर साढ़े सात करोड़ ठगे, आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगने वाले एक और आरोपी को पकड़ा है। इससे पहले पुलिस 22 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने इस मामले में फर्जी खाता खोलने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया। ठगों ने एक महिला से 7.59 करोड़ रुपए धोखाधड़ी की। सेक्टर-15 फरीदाबाद की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह पिछले दो साल से ट्रेडिंग कर रही थी। चार जनवरी 2024 को उसने फेसबुक पर शेयर मार्केट में निवेश का एक लिंक देखा। लिंक पर क्लिक करने के बाद उसे वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में दिखाए जा रहे मोटे मुनाफे के लालच में आकर उसने निवेश करने की सहमति दे दी। आरोपियों ने पीड़िता का एक एप पर अकाउंट खुलवाया। इस एप के जरिए उसने 61 लाख रुपए निवेश किए। इसके बाद ठगों ने और मुनाफे का लालच देकर दूसरी एप पर भी अकाउंट खुलवाया। कई ट्रांजैक्शन के जरिए ठगों ने पीड़िता से कुल सात करोड़ 59 लाख रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने इस मामले में बैंगलोर के नागागोंडा नाहल्ली गांव के रहने वाले सरणाकांता को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट है और उसने ठगी के पैसों के लिए खाता खोला था। उस फर्म का खाता आरोपी ने पंजीकृत करवाया था और इसी फर्म के अकाउंट में ठगी के सात करोड 55 लाख रुपए आए थे। आरोपी ने मामले में हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी , जिसको हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। आरोपी को पूछताछ के लिए दस दिन के रिमांड पर लिया गया है।

फरीदाबाद में नवविवाहिता की मौत, परिजनों ने ससुरालियों पर लगाया हत्या का आरोप

फरीदाबाद। एसजीएम नगर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। नवविवाहिता के चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान मिले हैं। ससुराल पक्ष के लोग इसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान 24 वर्षीय मोना तिवारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी नवंबर 2024 में राहुल मिश्रा नामक युवक से हुई थी। मृतका मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली थी, जबकि उसका ससुराल फरीदाबाद के एसजीएम नगर में स्थित है। मोना को उसके ससुराल पक्ष के लोग निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल में मौजूद पड़ोसियों ने मृतका के मायके वालों को घटना की सूचना दी। मृतका की बहन प्रीति और मौसी गुड़िया तिवारी अस्पताल पहुंचीं और उन्होंने पुलिस को बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। एसजीएम नगर थाना प्रभारी सूरजभान के अनुसार, मृतका के परिवार वालों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। परिवार वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की बहन प्रीति ने बताया कि मोना के चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान थे और उसका चेहरा काला पड़ा हुआ था, जिससे आशंका है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। परिजनों का आरोप है कि ससुराल वाले मोना से प्लॉट खरीदने के लिए मायके से पैसे लाने का दबाव बनाते थे और इसको लेकर अक्सर झगड़े होते थे। मोना ने घर पर कई बार बताया था कि ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते हैं और पैसों के लिए लड़ाई करते हैं। परिजनों को शक है कि मंगलवार रात को भी मोना के साथ मारपीट की गई और फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मोना का पति राहुल और ससुराल के अन्य सदस्य घटना के बाद से फरार हैं।

बच्चों के विवाद में बड़ों का खूनी संघर्ष, फायरिंग व पथराव के बाद नौ के खिलाफ मामला दर्ज

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र के रहराना गांव में बच्चों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इसके ब एक पक्ष ने दूसरे के घर में घुसकर पथराव किया और फायरिंग की। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार प्रेमवती नामक महिला ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी धर्मेंद्र, दीपक, संजू और बिचपड़ी गांव के उधम, सुमित समेत 4-5 लोग गाली-गलौज करते हुए उनके घर आ गए। आरोपियों ने घर पर पथराव शुरू कर दिया। विरोध करने पर उन्होंने फायरिंग कर दी। परिवार ने अपनी जान बचाने के लिए कमरे में शरण ली। प्रेमवती का बेटा छत पर था, जिसे देखकर आरोपियों ने छत की तरफ भी कई राउंड फायर किए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से पत्थर, टूटा सामान और खाली कारतूस बरामद किए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पांच नामजद समेत 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कैंप थाना प्रभारी यशवीर सिंह ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम आरोपियों की तलाश कर रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं दूसरे पक्ष की तरफ से रहराना गांव के धनपाली ने शिकायत दर्ज कराई है कि उधम पुत्र जयवीर ने उसके बेटे अंश व उमर को रास्ते में रोककर मारपीट की। जिसका उलाहना देने वह उनके घर गई, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। मौके पर झगड़े का शोर सुनकर गांव के लोग पहुंच गए तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि आज तो गांव के लोगों ने बचा लिया, आइंदा मौका मिला तो जान से खत्म कर दूंगा। पुलिस ने इस संबंध में उधम के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पलवल में विवाहिता की हत्या, पति समेत पांच पर मुकदमा दर्ज

पलवल। जिले में दहेज के लिए एक विवाहिता की कथित तौर पर हत्या का मामला सामने आया है। मृतका के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। नांगलोई दिल्ली के वंश ने बताया कि उनकी बहन चंचल की शादी दिसंबर 2022 में पलवल के कुशक गांव के बलवंत के साथ हुई थी। चंचल का एक साल का बेटा है। शादी के बाद से ही ससुर बिरेंद्र, सास देवश्री, ननद मौसम और पति बलवंत दहेज की मांग को लेकर चंचल को प्रताड़ित करते थे। आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी और नकद राशि की मांग करते थे। वे धमकी देते थे कि अगर दहेज नहीं लाई, तो घर में नहीं रहने देंगे। चंचल ने इस बारे में अपने पिता को बताया था। परिवार ने समझाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों का रवैया नहीं बदला। सात अप्रैल को चंचल ने अपनी ताई को फोन कर बताया था कि ससुराल वाले उसे गालियां देते हैं और परेशान करते हैं। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करते हैं और उसे घर में बंधक बनाया गया है। उसके बाद चंचल के ससुर बिरेंद्र ने उसके पिता को फोन कर कहा कि चंचल की हालत खराब है, तुम तुरंत पलवल आ जाओ। जिसके बाद वे पलवल पहुंचे तो चंचल को होश नहीं था और वैंटिलेटर पर थी और कुछ समय बाद चंचल की मौत हो गई। मृतक का भाई का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी बहन को फांसी पर लटकाकर हत्या की है। हसनपुर थाना प्रभारी मलखान सिंह ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने मृतका चंचल के भाई वंश की शिकायत पर पति सहित पांच के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम दबिश दे रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पलवल में टीबी मुक्त हुई 90 ग्राम पंचायतें,13 सिल्वर और 77 ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित

पलवल। जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। जिला प्रशासन ने 90 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया है। जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित एक समारोह में डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने इन पंचायतों को सम्मानित किया। इनमें से 13 ग्राम पंचायतों को सिल्वर मेडल और 77 पंचायतों को ब्रॉन्ज मेडल से नवाजा गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 'ड्रग फ्री हरियाणा' संदेश के साथ जिला पलवल में हुआ साइक्लोथॉन का आगमन, स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

पलवल। ब्यूरो

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को ड्रग फ्री बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संदेश के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों को कवर करते हुए साइक्लोथॉन यात्रा बुधवार को पलवल जिला उपमंडल हथीन के गांव भीमसीका से पलवल जिला में प्रवेश कर गई। जिलावासियों ने साइक्लोथॉन के स्वागत में पलक-पावड़े बिछा दिए और फूल वर्षा व मलाओं से भव्य स्वागत किया। जिला पलवल की सीमा में प्रवेश करने पर साइकिल यात्रा का जिला के गांव बंचारी के पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ जिला के प्रबुद्धजनों, जिलावासियों व जिला प्रशासन की ओर से गरिमामयी ढंग से भव्य स्वागत किया गया। साइक्लोथॉन आगमन पर जिलावासी जोश, उत्साह व उमंग से लबरेज नजर आए। साइक्लोथॉन के दौरान बंचारी के ढोल-नगाड़ों पर थिरकते नजर आए।

गांव भीमसीका से पलवल जिला की सीमा में प्रवेश करने पर होडल के विधायक हरिंद्र सिंह, उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ, एडीसी अखिल पिलानी, एसडीएम हथीन गुरमीत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, मनोज रावत, नप होडल पंचायत प्रतिनिधि शीशपाल सहित जिला के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न सामाजिक संगठन प्रतिनिधियों व युवाओं ने सभी साइकिलिस्ट का फूल मालाओं व पुष्प वर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत अभिनंदन किया तथा हरियाणा को नशा मुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। विधायक के साथ-साथ उपायुक्त, भाजपा जिला अध्यक्ष और अतिरिक्त उपायुक्त ने भी साइकिल यात्रा में हिस्सा लेते हुए साइकिल चलाई। साइक्लोथॉन को लेकर जिला के नागरिकों का जोश व उत्साह पूरे चरम पर रहा। उन्होंने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए साइकिलिस्ट में जोश भरने का काम किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों ने आमजन को ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश देते हुए जागरूक किया। जिला के विभिन्न गांवों व शहरी क्षेत्र में प्रवेश करने पर जिला के प्रशासनिक अधिकारियों सहित गणमान्य लोगों ने साइक्लोथॉन में भागीदार प्रतिभागियों का जोरदार अभिनंदन करते हुए हरियाणा सरकार की इस 'नायब' सामाजिक सोच को समाज के उत्थान एवं कल्याण के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम बताया। गांव भीमसीका में स्वागत उपरांत साइक्लोथॉन होडल के लिए रवाना किया गया।साइक्लोथॉन यात्रा के गांव भीमसीका में प्रवेश करने पर आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए होडल के विधायक हरिंद्र सिंह ने युवा शक्ति को सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खत्म करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार देश-प्रदेश में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही हैं। सभी नागरिक विशेषकर युवा वर्ग नशे का त्याग कर अपनी ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग भारत देश को वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करें।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा 5 अप्रैल को हिसार से शुरू की गई साइक्लोथॉन नशा मुक्त हरियाणा के सामाजिक संदेश के साथ पूरे प्रदेश को कवर करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से होकर गुजरने वाली यह साइक्लोथॉन नशा मुक्त हरियाणा का संदेश देने में अहम रहेगी।

फरीदाबाद मंडी में पांच दिन से पड़ा गेहूं, न लिफ्टिंग हुई न मिले पैसे

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में सरकार द्वारा 72 घंटे में गेहूं की फसल का भुगतान करने का दावा एक बार फिर खोखला साबित हो रहा है। जिले की मंडियों में किसानों का गेहूं पिछले पांच दिनों से पड़ा है, लेकिन न तो अभी तक फसल की लिफ्टिंग हुई है और न ही किसानों के खातों में भुगतान पहुंचा है। इससे किसान बेहद परेशान हैं। भनकपुर गांव के किसान किशन सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी 50 क्विंटल गेहूं की फसल 2 अप्रैल को मंडी में गेट पास कटवाकर बेची थी। मंडी में गेहूं 5 दिन से रखा हुआ, लेकिन अभी तक उन्हें भुगतान नहीं मिला है। किशन सिंह का कहना है कि प्रशासन हर साल यही दावा करता है कि 72 घंटे में भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन हर बार किसानों को कई हफ्तों तक इंतजार करना पड़ता है। किशन सिंह ने बताया कि फसल बेचने के बाद भी जब समय पर पैसे नहीं मिलते, तो हमें बच्चों के स्कूल में एडमिशन कराने, खेतों में काम करवाने वाली मशीनों का किराया चुकाने और मजदूरों की मजदूरी देने में परेशानी होती है, क्योंकि सब लोग पैसे मांगने घर आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि मंडियों में गेहूं की ढेरियां लग चुकी हैं और समय पर लिफ्टिंग न होने से अनाज खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है। किशन सिंह ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा 72 घंटे में भुगतान का दावा केवल कागजों तक सीमित है। असल में ऐसा कुछ नहीं होता। उन्होंने बताया कि हर साल यही स्थिति बनती है और किसानों को 25 दिन या उससे ज्यादा समय बाद ही पैसे मिलते हैं। भुगतान की प्रक्रिया में देरी की वजह बताते हुए कहा कि जब किसान मंडी में गेहूं लाता है, तो सबसे पहले फसल को तौला जाता है और फिर बोरियों में पैक किया जाता है। इसके बाद जब तक मंडी से लिफ्टिंग का ठेका नहीं लगता, तब तक गेहूं वहीं पड़ा रहता है। लिफ्टिंग के बाद गेहूं गोदाम में जाता है, वहां से फाइल बनती है, फिर यह फाइल बैंक जाती है। बैंक से पैसे किसान के खाते में पहुंचने में 2 से 3 दिन और लगते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में कम से कम 25 दिन लगते हैं। वहीं फरीदाबाद जिला उपायुक्त विक्रम सिंह यादव ने कहा ट्रांसपोर्ट और मजदूर का जो कॉन्ट्रैक्ट होता है, वह करवा दिया गया है और इसकी रिपोर्ट भी स्टेट कमेटी को भेज दिया गया है आज लेबर मंडियों में पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा ट्रांसपोर्ट और लेबर की थोड़ी सी दिक्कत आई थी, लेकिन इस बीच खरीद में कोई दिक्कत नहीं आई। आज से उम्मीद है कि सभी एजेंसियां अपना उठान शुरू कर देगी।

बालभवन में बच्चों से बर्तन धुलवाए की जांच के आदेश

फरीदाबाद। फरीदाबाद में बाल भवन में रह रहे निराश्रित बच्चों से टॉयलेट में बर्तन धोते हुए वीडियो सामने आने के बाद जिला उपायुक्त ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। वीडियो में बच्चे खाना खाने वाली प्लेट टॉयलेट सीट के पास प्रेशर पाइप से धोते दिख रहे हैं। इस बाल भवन में बाल कल्याण समिति द्वारा किसी भी प्रकार की हिंसा के शिकार, बाल मजदूरी से छुड़ाए गए और अनाथ बच्चों को रखा जाता है। वर्तमान में इस बाल भवन में 20 बच्चे रह रहे हैं। टॉयलेट में बर्तन धोते हुए बच्चों का यह वीडियो फरीदाबाद की एनआईटी में दौलत धर्मशाला के पास बने बाल भवन का है। करीब 12 सेकेंड के इस वीडियो में दो छोटे-छोटे बच्चे खाना खाने वाली प्लेट हाथ में लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले ब्लू टी-शर्ट पहने एक बच्चा टॉयलेट सीट के प्रेशर पाइप से अपनी प्लेट धोता है। फिर सफेद टी-शर्ट पहने दूसरा बच्चा उसी पाइप से अपनी प्लेट धोता है। कोई इन दोनों की वीडियो बना रहा है। इसके अलावा दोनों बच्चे आपस में बातचीत भी कर रहे हैं। अन्य बच्चों की आवाजें भी वहां से आ रही हैं। इस बारे में एक बाल संरक्षण अधिकारी से बात की तो उन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इस तरह से टॉयलेट में बच्चे बर्तन धो रहे हैं, यह पूरी तरह से गलत है। बाल भवन में बच्चों को उनके भविष्य सुधार के लिए लाया जाता है, ताकि यहां पर रहकर वह अच्छे से पढ़ाई कर सकें। बाल भवन में खाना बनाने से लेकर बर्तन साफ करने तक के लिए कर्मचारी रखे जाते हैं। इसके लिए उन्हें वेतन दिया जाता है। यह वीडियो जनवरी माह का बताया जा रहा है, लेकिन अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में बाल भवन में बाल विकास से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इस वीडियो के सामने आने के बाद उन्होंने बाल संरक्षण विभाग हेडक्वार्टर और डीसी ऑफिस को रिपोर्ट बनाकर भेज दी थी। इसके बाद 19 फरवरी को विभाग के हेडक्वार्टर से एक टीम आकर जांच कर गई थी।

किसानों की उपज का जल्द से जल्द हो उठान और भुगतान : राजेश नागर

पलवल। हरियाणा सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री राजेश नागर ने बुधवार को पलवल व होडल स्थित अनाज मंडी का दौरा करते हुए किसानों की फसल खरीद के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने इस दौरान अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते हुए अनाज मंडी में मौजूद किसानों से बातचीत करते हुए मंडी में आवश्यक सुधारों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की फसल का भुगतान जल्द से जल्द करवाया जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने संबंधित विभाग व आढ़तियों को किसानों की उपज का जल्द से जल्द उठान करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि होडल अनाज मंडी को गार्डन अनाज मंडी के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसका एस्टीमेट बनाकर भिजवा दिया गया है। मार्डन मंडी बनने से सुविधाओं में विस्तार होगा।राजेश नागर ने मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था पूर्ण प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ऐसे में किसान सहभागी बनते हुए खरीद प्रक्रिया में अपना योगदान दें। अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर फसल की खरीद के दौरान किसानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए सम्बंधित अधिकारी पूरी संजीदगी बरतते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें।

उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी सरसों की फसल को अच्छी तरह से सुखाकर व साफ करके मंडी में लाएं।

क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बनकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। टैलीकॉम अथॉरिटी और मुंबई क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बनकर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि सेक्टर-37 फरीदाबाद में रहने वाले एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में शिकायत दी। जिसमें आरोप लगाया कि 7 अगस्त 2024 को उसके पास एक कॉल आया जिसने खुद को टैलीकॉम अथॉरिटी का कर्मचारी बतलाया और उसे बताया कि उसके नाम से एक नया फोन नम्बर रजिस्टर्ड हुआ है, जिससे बहुत सारे गैर-कानूनी मैसेज भेजे जाने की बात कही, जिसके आधार पर मुम्बई में केस रजिस्टर्ड होने बारे बताया।

हर व्यक्ति की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करवायें: राव

बैठक में एक दर्जन शिकायतों का तवरित निपटारा

पलवल।

जिले के लघु सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की अध्यक्षता में बुधवार को शिकायत निवारण कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 13 शिकायतों में से 12 का तत्काल समाधान किया गया। बैठक में होडल से भाजपा विधायक हरेंद्र सिंह और पृथला से कांग्रेस विधायक रघुवीर सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, पूर्व जिलाध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ, एसपी चंद्रमोहन, सहित क्षेत्र के प्रमुख नागरिक उपस्थित रहे। पलवल की ज्योति शर्मा ने अपनी जमीन पर हैफेड और वेयर हाउस द्वारा किए कब्जे की शिकायत की। मंत्री ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कर जमीन का कब्जा दिलाने के आदेश दिए। बढ़ा गांव के कल्लू ने पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग में डीसी रेट पर चपरासी पद से हटाए जाने की शिकायत की। उन्होंने एचकेआरएन में अनियमित नियुक्तियों का मुद्दा भी उठाया। मंत्री ने सभी नियुक्तियों की जांच के आदेश दिए।

सुल्तानपुर गांव के राजेंद्र कुमार की गंदे पानी से फसल नष्ट होने की शिकायत का समाधान कर दिया गया। मीठाका गांव के साकिर ने आंगनबाड़ी भवन की अधूरी निर्माण की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन वे बैठक में उपस्थित नहीं हुए। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी विभागीय अधिकारियों को जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो व्यक्तियों को रिकवरी नोटिस भेजा

आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने उनकी शिकायत का संज्ञान लेते हुए स्टेटस रिपोर्ट ली, जिस पर संबंधित अधिकारी ने जानकारी दी कि अप्रैल माह के अंत तक यह कार्य करवा दिया जाएगा। खांबी गांव के रविकांत ने अपनी शिकायत में तीन लोगों के खिलाफ अवैध पेंशन की जांच करवाने की मांग की, जिस पर कार्रवाई करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी ने दो व्यक्तियों गिर्राज शर्मा और अंतराम की पेंशन रद्द करते हुए रिकवरी का नोटिस दे दिया।

अधिकृत जमीन का नहीं मिला मुआवजा

वहीं घर्रोट गांव के गंगाधर ने शिकायत में बताया उनकी जमीन दशकों पूर्व अधिकृत की गई थी, जिसका मुआवजा उन्हें नहीं मिला है। उन्होंने मांग की, कि वर्तमान समय के अनुसार उन्हें मुआवजा दिलाया जाए, जिसकी पैरवी स्वयं उपायुक्त ने भी की। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने भरोसा दिया कि उनकी पूर्ण मदद की जाएगी। उटावड़ गांव के कबीर अहमद ने मांग की, कि जल जीवन मिशन के तहत पानी की पाइप लाइन डलवा कर उन्हें कनेक्शन दिलाए जाए।

योजना अभी नहीं चल रही

स्वास्थ्य मंत्री के पूछने पर विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह योजना अभी नहीं चल रही है।

इसके अलावा धीरनकी गांव के तारीफ ने विभिन्न लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की शिकायत दी। शेखपुर के नरेश ने उनके प्लॉट की चारदीवारी तोड़ने संबंधी तथा अमरौली के राजकुमार ने मारपीट के मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की और पीलगढ़ी की खैरूना ने शिकायत प्रस्तुत की, जिनकी सुनवाई करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने समाधान के निर्देश दिए।

साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने दिया 4 करोड़ से अधिक का दान

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी साईंबाबा संस्थान द्वारा आयोजित श्री राम नवमी महोत्सव के दौरान साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने 4 करोड़ 26 रूपये का दान दिया है। संसथान के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्री रामनवमी उत्सव के दौरान 2.5 लाख से अधिक साईं भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान दक्षिणा पेटी में 1 करोड़ 67 लाख 89 हजार रुपए नकद, दान काउंटर 79 लाख 38 हजार रुपए, पीआरओ द्वारा दिए गए सशुल्क पास से 47 लाख 16 हजार रुपए का दान, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन दान, चेक, डीडी, मनीऑर्डर के माध्यम से 1 करोड़ 24 लाख 15 हजार रुपये, 6 लाख 15 हजार रुपए कीमत का 83 ग्राम सोना, 1 लाख 31 हजार रुपए मूल्य का 2030 ग्राम चांदी, इस प्रकार 4 करोड़ 26 लाख 07 हजार रूपये का कुल दान साईं संस्थान को प्राप्त हुआ।

ग्लूकोमा बुजुर्गों में ही नहीं अब बच्चों में बढ़ने लगी यह बीमारी, समय पर कराएं इलाज

हैदराबाद (एजेंसी)। काला मोतियाबिंद (ग्लूकोमा) बुजुर्गों में ज्यादा होता है, लेकिन हाल के शोध और डॉक्टरों ने बताया कि अब यह बीमारी बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। ग्लूकोमा आंखों की एक गंभीर बीमारी है, जिसमें ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है और अगर समय पर इसका इलाज नहीं किया तो इससे हमेशा के लिए आंखों की रोशनी जा सकती है। स्वास्थ विशेषज्ञ ने बताया कि कुछ बच्चे इस बीमारी के साथ ही पैदा होते हैं और बच्चों में ये बाद में देखी जा रही है, जिसके कारण आंखों का असामान्य रूप से बड़ा दिखना, आंखों से पानी बहना या लाल होना, धुंधला दिखाई देना और आंखों में दर्द होना शामिल है। उन्होने बताया की इसका कोई मुख्य कारण नहीं कह सकते हैं, लेकिन अगर परिवार में किसी को ग्लूकोमा की बीमारी है, तो बच्चों में इसका खतरा बढ़ जाता है साथ ही कम वजन वाले बच्चों में आंखों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। अगर बच्चों के आंख में इंफेक्शन होता, तो इससे भी ग्लूकोमा हो सकता है। कुछ रिसर्च से पता चलता है कि लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाई दिए जाने से भी ग्लूकोमा का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की आंखों की नियमित जांच करवाना जरूरी है। ग्लूकोमा का इलाज आई ड्रॉप्स, लेजर थेरेपी या सर्जरी से किया जा सकता है और सबसे अहम है बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ब्रेक लेने की आदत डालें, क्योंकि ग्लूकोमा एक गंभीर बीमारी है जिसका समय पर इलाज संभव है। अगर बच्चों के आंख में किसी तरह का बदलाव या फिर इंफेक्शन दिखता है तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं और उसका इलाज करवाएं।

रिपोर्ट में खुलासा : प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान भारत में पाकिस्तान से भी ज्यादा मौतें

नई दिल्ली(एजेंसी)। महिलाओं में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय होने वाली मौतों पर यूनाइटेड नेशन ने रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया में हर 2 मिनट में एक महिला की मौत होना बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में करीब 19 हजार गर्भवती महिलाओं की मौत हुई यानी हर दिन औसतन 52 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया में प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली कुल मौतों का 7.2 फीसदी है। इस सूची में नाइजीरिया के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में पाकिस्तान में होने वाली मौतों का भी आकड़ा शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में 2023 में 11 हजार मौतें हुई यानि हर दिन औसतन 30 मौतें। नाइजीरिया में 75 हजार महिलाओं की मौत हुई। यह दुनिया में कुल प्रेग्नेंट महिलाओं की मौत का 28.7 फीसदी है। 2000 से 2023 के बीच भारत में मातृ मृत्युदर में 78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के चलते 2000 से 2023 के बीच दुनियाभर में एमएमआर में 40 फीसदी की कमी आई, लेकिन 2016 के बाद से सुधार की गति धीमी हो गई है। डब्ल्यूएचओ के चीफ डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस ने चिंता जताते हुए कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हालात गंभीर हैं। अगर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और गहरा सकता है।

सैफ अली पर हमले मामले में पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, आरोपित शरीफुल इस्लाम के खिलाफ कई सबूत

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमले मामले में मुंबई पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया है। पुलिस ने बताया है कि बांद्रा कोर्ट में 1000 पन्नों का आरोपपत्र (चार्जशीट) दायर किया है। पुलिस की चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपित शरीफुल इस्लाम के खिलाफ कई सबूत मिले हैं। 1000 पन्नों से अधिक बड़ी चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट को भी शामिल किया है। चार्जशीट में कहा गया है कि सैफ के शरीर और आरोपी के पास मिले टुकड़े एक ही चाकू के थे। चार्जशीट में आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र है। दरअसल सैफ अली खान पर 16 जनवरी की रात उनके ही घर पर हमला हुआ था। आरोपित लूटपाट की नीयत से घर में दाखिल हुआ था। विरोध करने पर सैफ पर चाकू से हमला किया। पुलिस के मुताबिक अभिनेता को रीढ़ की हड्डी और शरीर के अन्य अंगों पर चोट आई थी। इसके फौरान बाद एक्शन लेकर पुलिस ने आरोपित मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को ढाणे से गिरफ्तार किया था।

ओडिशा में कांग्रेस के 11 वरिष्ठ नेताओं और 5,000 अज्ञात पार्टी समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में पुलिस ने विधानसभा घेराव के दौरान हुई हिंसा के मामले में कांग्रेस के 11 वरिष्ठ नेताओं और 5,000 अज्ञात पार्टी समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 27 मार्च को हुई, जब कांग्रेस ने महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों के विरोध में विधानसभा घेराव किया था। इस दौरान हिंसक झड़पों में पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए थे।

पीएम मोदी को लेकर बोलीं कंगना रनौत

'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है...',

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने लगातार अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में हैं। इसी बीच कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कंगना ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा सनातन, राष्ट्रवाद, वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है जिसका हम लंबे समय से पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2014 से पहले बहुत सारे घोटाले होते थे - 2जी घोटाला, कोयला घोटाला, चारा घोटाला। लेकिन 2014 के बाद से पीएम मोदी पर एक भी दाग नहीं है। 'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है'।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा था कि पूरे देश में पीएम मोदी और भगवा की लहर है। लेकिन हिमाचल प्रदेश की हालत देखकर दुख होता है। उनकी एजेंसियां समोसे की जांच कर रही हैं। जो हो रहा है उससे हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हमें अपने राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हमें अपने राज्य को इन 'भेड़ियों' के पंजे से मुक्त कराना है।

आपको बता दें कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है जिसका नेतृत्व सुखविंदर सिंह सुक्खू कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई साधारण इंसान नहीं बल्कि एक अवतार हैं। मैं 2014 से पहले वोट देने भी नहीं गई थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले हम भी राजनीति को दुर्भाग्य समझते थे और नेताओं को लेकर लोगों में काफी नफरत थी। रनौत ने कहा कि पहले सब खा रहे थे और देश को बर्बाद कर रहे थे। कंगना ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला।

जोगिंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी उन्होंने तीखा हमला बोला। उन्होंने विक्रमादित्य पर हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में अपनी हार को स्वीकार न कर पाने का आरोप लगाया और उनके राजनीतिक व्यवहार की आलोचना की। विक्रमादित्य ने हाल ही में सुंदरनगर के अपने दौरे के दौरान कंगना पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह लंबे समय से अपने संसदीय क्षेत्र से गायब हैं। विक्रमादित्य और उनकी मां व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह दोनों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा, 'राजनीति में प्रतिस्पर्धा होती है, लेकिन इसकी भी सीमाएं होती हैं। किसी को बार-बार दूसरों पर कीचड़ नहीं उछालना चाहिए और न ही अपशब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए।'

दिल्ली या कहीं ओर से कांग्रेस का कोई भी नेता आए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा : ऋषिकेश पटेल

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से कांग्रेस का चाहे कोई भी नेता आ जाए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा। बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय

अधिवेशन में गुजरात और केन्द्र सरकार पर कड़े प्रहार किए गए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेडा ने यहां तक दावा कर डाला कि गुजरात में भाजपा सरकार को कुछ समय की मेहमान है। कांग्रेस के बयानों पर राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि नेता चाहे दिल्ली से आएं या कहीं और से– कांग्रेस कभी भी गुजरात में लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएगी। अब तो कागजों पर भी कांग्रेस खत्म होती जा रही है। कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाने का केवल सपना देख रही है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि आज एक तरफ विधायकों के लिए विकास अनुदान में एक करोड़ रुपये की वृद्धि की गई, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय में प्रवेश की समीक्षा के लिए कुलपति के साथ बैठक बुलाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य के विधायक अब अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास पर प्रति वर्ष रु. 1.50 करोड़ के बजाय रु. 2.50 करोड़ खर्च कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के तत्काल निर्णय के बाद अधिसूचना जारी कर दी गई है। विशेष निर्देश दिए गए हैं कि कैच द रेन अभियान के तहत प्रत्येक विधायक को जल संरक्षण कार्यों के लिए 50 लाख रुपए आवंटित करने होंगे। इसका मतलब यह है कि अब विकास कागजों पर ही नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखेगा।

गंभीर कानूनी विवाद में फंस गए कॉमेडियन कुणाल कामरा

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा इन दिनों एक गंभीर कानूनी विवाद में फंस गए हैं। कामरा पहले ही मद्रास हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ले चुके हैं, जिसे 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। मुंबई पुलिस ने उन्हें तीन बार समन भेजा, लेकिन कामरा अब तक पेश नहीं हुए हैं। अगर हाईकोर्ट उनकी याचिका खारिज कर देता है, तो उन्हें गिरफ्तारी का सामना करना पड़ सकता है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जांच के दौरान उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न की जाए, जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करना या गिरफ्तारी।

मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी से जुड़ा है, जिसे उन्होंने अपने शो 'नया भारत' के दौरान व्यंग्य के रूप में प्रस्तुत किया था। शो का एक हिस्सा, जिसमें कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने की पैरोडी बनाकर शिंदे पर कटाक्ष किया, मार्च 2025 में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर कामरा के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 353(1)(क्ष), 353(2) और 356(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। कामरा ने इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए 5 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया।

याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मुंबई पुलिस और विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया और 16 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। कामरा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज़ सीरवाई ने कोर्ट में यह दलील दी कि यह मामला हत्या का नहीं बल्कि एक स्टैंडअप शो से जुड़ा है, जिसमें हास्य और व्यंग्य के माध्यम से राजनीतिक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि कामरा को इस शो के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में है। वकील ने यह आग्रह भी किया कि कामरा को शारीरिक रूप से उपस्थित होने की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में सहयोग करने की अनुमति दी जाए।

'वक्फ एक्ट को लेकर राहुल गांधी की सोच स्पष्ट नहीं', रविशंकर प्रसाद बोले- देश ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ एक्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में एक बार कहा था कि 6-7 साल में एक व्यक्ति युवा हो जाता है। फिर उन्होंने कहा कि तपस्या से गर्मी आ जाती है। आज वैसा ही नया सिद्धांत कुछ दिखाई पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को वक्फ पर बोलने की कोशिश करने के लिए अहमदाबाद का इंतजार करना पड़ा। मैं कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी 12-13 घंटे सदन में बहस हुई आप खुद बैठे थे, वक्फ पर आपने क्यों नहीं बोला। ये दिखाता है कि क्या बोलना चाहिए, क्या नहीं बोलना चाहिए, इसके बारे में उनकी (राहुल गांधी) सोच में स्पष्टता नहीं होती है।

अपना हमला जारी रखते हुए रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि

राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा है कि वक्फ के बारे में क्या बोलना है। मैं पूरे अधिकार से कह रहा हूं कि राहुल गांधी के पास इस बात की स्पष्टता नहीं है कि उन्हें किस मुद्दे पर और कब क्या रुख अपनाना चाहिए। उन्हें इन तीन सवालों का जवाब देना चाहिए। क्या आपको यह सही लगता है या गलत कि वक्फ की 8 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली संपत्ति पर गरीब मुसलमानों और बेटियों के लिए कोई अस्पताल, स्कूल, अनाथालय या कौशल केंद्र नहीं बनाया गया है? क्या आपको इस बात से परेशानी है कि मुस्लिम समुदाय की विधवाओं की तरक्की के लिए वक्फ में सुधार किया जा रहा है?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आजकल किसी ने उन्हें ओबीसी पर बोलने के लिए चिट थमा दी है। तो, क्या आपको कोई दिक्कत है अगर वक्फ में संशोधन के जरिए पिछड़े मुसलमानों पर विचार किया जा रहा है? वक्फ पर उनका रुख देरी से आया है। उनसे कहा गया कि उन्होंने वक्फ के बारे में कुछ नहीं कहा, इसलिए उन्होंने सिर्फ कहने के लिए बिल को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि इस देश ने राहुल गांधी को गंभीरता से लेना बंद कर दिया है। राहुल गांधी जब ओबीसी की बात करते हैं तो सबसे पहले ये बताइए कि कांग्रेस पार्टी के सबसे उच्च निर्णय लेना में ओबीसी को जगह है क्या? यही कांग्रेस पार्टी की सच्चाई है।

पीएम मोदी के बताए 9 संकल्प हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पावन धरती जैन तीर्थंकरों की भूमि रही है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, जो अयोध्या के राजा थे। अयोध्या में ही पांच तीर्थंकरों ने जन्म लिया। वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ है। हमारे तीर्थंकरों ने यहीं से धर्म और साधना की परंपरा को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाया। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यकम के दौरान कही। शांति, ऊर्जा, सकारात्मकता और विश्व कल्याण के लिए कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जिटो) की ओर से किया गया। सीएम योगी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए गए प्रेरणादायक संदेश का उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने हमारे जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें समाज के हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताकर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति न केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। सीएम योगी ने कहा कि सभी 24 तीर्थंकरों का जीवन लोककल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपने उपदेशों और साधना के माध्यम से जीवन जीने की एक उच्च परंपरा दुनिया के सामने रखी। जैन धर्म की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। हर भारतीय को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ईडी के मूल अधिकार हैं तो जनता के भी, ईडी ने तुरंत याचिका वापस ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने आर्टिकल 32 के तहत एक याचिका शीर्ष अदालत में दाखिल की थी और मांग की थी कि छत्तीसगढ़ के नागरिक आपूर्ति निगम में हुए घोटाले की जांच को दिल्ली ट्रांसफर किया जाए। इस पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि ईडी के अपने मूल अधिकार हैं तो फिर उसे जनता के भी मूल अधिकारों के बारे में सोचना चाहिए। बेंच ने यह भी कहा कि आर्टिकल 32 के तहत तभी अर्जी दाखिल हो सकती है, जब मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो। इसके साथ ही ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी अर्जी भी वापस ले ली है।

ईडी की ओर से यह अर्जी पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और अन्य के खिलाफ चल रहे मामले में दाखिल की थी। अनिल टुटेजा और अन्य 2015 के एक मामले में आरोपी हैं, जिसमें नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से चावल की खरीद और उसके वितरण में बड़े घोटाले का आरोप है। ईडी का कहना है कि छत्तीसगढ़ का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम इस जांच को प्रभावित कर रहा है। गवाहों को धमकाया जा रहा है और जांचकर्ताओं पर भी राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। ईडी की मांग है कि इस केस को नई दिल्ली में पीएमएलए के तहत स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। इसके अलावा इस मामले में नए सिरे से ट्रायल भी चलाया जाए।

एजेंसी ने कहा कि इस मामले की जांच में 2018 में सरकार बदलने के बाद काफी असर पड़ा था। टुटेजा तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल के काफी करीबी हो गए और उन्हें अग्रिम जमानत दे दी गई। इस तरह जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। यही नहीं एजेंसी ने एसआईटी के सदस्यों और टुटेजा के बीच हुई वॉट्सऐप चैट्स का भी जिक्र किया। यही नहीं कॉल रिकॉर्ड का डेटा भी पेश किया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की अर्जी पर ही सवाल उठा दिए। अदालत ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि ईडी जैसी एजेंसी ने सरकार की एजेंसियों के खिलाफ ही अर्जी दाखिल की है।

बाल ठाकरे के घर एक पैगंबर पैदा हो गया वाले बयान को लेकर विधायक यतनलाल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मामला दर्ज किया गया

हिंगोली (एजेंसी)। कर्नाटक के निष्कासित भाजपा नेता और विजयपुरा के विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित तौर पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज किया गया है। विजयपुरा के गोल गुम्बज पुलिस स्टेशन में स्थानीय निवासी मोहम्मद हन्नान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में यतनाल पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक अशांति भड़क सकती है। शिकायत के अनुसार, यतनाल ने 7 अप्रैल को हुबली के बन्नी ओनी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी।

उन पर आरोप है कि उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के घर एक पैंगबर पैदा हो गया। जिसे मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा भड़काऊ और आपत्तिजनक माना गया। यतनाल ने कार्यक्रम में कहा, बाल ठाकरे क्या आदमी थे। जब मीडिया उनसे पूछती थी कि 'आप किस तरह के हिंदू हैं?' तो वे कहते थे, 'मैं पागल हिंदू हूं।' वे गर्व से कहते थे कि वे हिंदुओं और हिंदुत्व के दीवाने हैं। लेकिन उनके घर में एक मुहम्मद पैगम्बर पैदा हो गया है। मुझे लगता है कि वे क्रॉसब्रीड होंगे। शिकायतकर्ता ने कहा कि यतनाल की टिप्पणियों से मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा है। विजयपुरा में पुलिस ने पुष्टि की है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

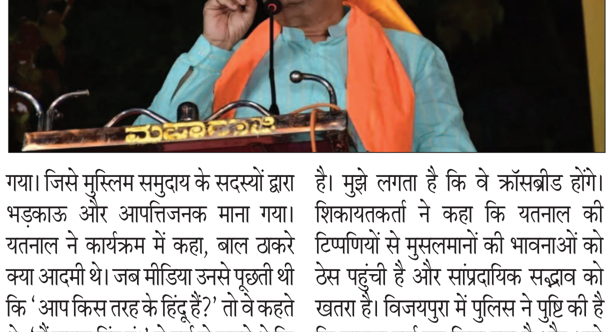

दिल्ली समेत देश के कई राज्य हीटवेव की चपेट में, बाड़मेर में पारा 47 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल देश में मानसून सामान्य रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में एक अनुमान के मुताबिक, 80 फीसदी से ज्यादा संभावना है कि मानसून सामान्य या उससे ज्यादा रहेगा। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू चलने लगी है। दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज यानी बुधवार को हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

15 साल बाद दिल्ली में अप्रैल में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। कई इलाकों में हीटवेव के हालात बने हैं। इससे पहले 2011 में यह स्थितियां बनी थीं। राजस्थान के बाड़मेर में मंगलवार को टेम्परेचर 47 डिग्री रहा। 10 साल बाद अप्रैल में बाड़मेर का पारा 47 डिग्री पहुंच गया। जैसलमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है।

आईएमडी के मुताबिक देश के कुछ हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन ये प्रभाव केवल पूर्वी राज्य और दक्षिण भारत तक ही सीमित रहा।

त्रिपुरा, असम और मेघालय में 8 से10 अप्रैल के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अगले 3 दिन तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी 9 से 11 अप्रैल तक बारिश और ओले गिरे की संभावना है। अगले 2 दिन तक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में 2 से 4 डिग्री का तापमान बढ़ सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। केरल, महाराष्ट्र, गोवा और तटीय तमिलनाडु में उमस परेशान करेगी। बंगाल की खाड़ी में बनते लो प्रेशर से 11 अप्रैल के बाद पूर्वोत्तर राज्यों में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

मैं किसी भी शादीशुदा इंसान को डेट नहीं करूंगी

अभिनेता जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी गायिका सैंधवी से तलाक ले लिया था। इस मामले को भी लोग अभिनेत्री दिव्याभारती से जोड़ रहे हैं, साथ ही दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ रही हैं। अभिनेत्री ने इन सब बातों पर चुप्पी तोड़ी और सभी को झूठा बताया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

अभिनेत्री का इन मुद्दों से कोई संबंध नहीं

साउथ अभिनेत्री दिव्याभारती ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा है कि जानबूझकर उनका नाम किसी के निजी जीवन में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीवी प्रकाश के पारिवारिक मामले से उनका कोई संबंध नहीं है। साथ ही अभिनेत्री ने लिखा कि वो कभी किसी अभिनेता को डेट नहीं करेंगी और किसी शादीशुदा इंसान को तो हरगिज नहीं। इसके अलावा अभिनेत्री ने स्टोरी में लिखा कि वह पहले तो इसका जवाब नहीं देना चाहती थी, लेकिन जब अफवाहें बढ़ने लगी तो उन्हें जवाब देना पड़ा।

वह एक स्वतंत्र महिला है

इसी पोस्ट में आगे बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि वह एक स्वतंत्र और मजबूत महिला हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से नकारात्मकता फैलाने की बजाय सकारत्मकता पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही और अनुरोध किया कि उनका सम्मान किया जाए।

एक नजर मामले और अभिनेत्री की ओर जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी सैंधवी से 11 साल तक रिश्ते में रहने के बाद तलाक ले लिया था। अब इस मामले में लोगों का कहना है कि उनका रिश्ता टूटने के पीछे अभिनेत्री दिव्याभारती का हाथ है। साथ ही इन दोनों के अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ाई जा रही हैं। हालांकि, आपको बतात चलें कि अभिनेत्री ने जीवी प्रकाश के साथ बैचलर और किंग्सटन जैसी फिल्मों में काम किया है।

खाकी के सेट पर घबरा गई थीं चित्रांगदा सिंह

चित्रांगदा सिंह की खाकी– द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। सीरीज के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस ने शूटिंग के कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के समय 400 लोगों के सामने काफी नर्वस फील कर रही थीं। चित्रांगदा सिंह ने सेट के किस्से शेयर करते हुए कहा कि कुछ मोमेंट ऐसे हैं, जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने बताया, 'एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा चैलेंजिंग किरदारों को चुनती हूं। नॉर्मल किरदार निभाना कॉमिक बुक जैसा लगता है।'

एक सीन में 400 लोगों के सामने भाषण देना पड़ा

चित्रांगदा ने कहा कि निबेदिता बसाक की भूमिका निभाना मुश्किल था। एक स्पेशल सीन को करते हुए एक्ट्रेस को काफी घबराहट हुई। उन्होंने कहा, फिल्म के सेट पर मुझे करीब 400 लोगों के सामने भाषण देना था। इस सीन को विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने एक बड़े मैदान में शूट किया गया था। मैंने डायरेक्टर के साथ वैन में अपने भाषण की प्रैक्टिस की। लेकिन जैसे ही मैं स्टेज पर चढ़ी और रेडी टू रोल सुना, मुझे काफी घबराहट होने लगी और मैं कुछ सेकेंड के लिए फ्रिज हो गई थी। हालांकि, भीड़ की एनर्जी ने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। यह मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा।

20 मार्च को रिलीज हुई थी वेबसीरीज

'खाकी- द बंगाल चैप्टर' नेटफ्लिक्स पर हिंदी और बंगाली में एक साथ स्ट्रीम होने वाली पहली हिंदी सीरीज है। इसमें चित्रांगदा सिंह, निबेदिता बसाक की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, परमब्रत चटर्जी भी लीड रोल में हैं। खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज 20 मार्च 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह सीरीज 'खाकी- द बिहार चैप्टर' का स्टैंड अलोन सीक्वल है। इसको नीरज पांडे ने क्रिएट किया है।

जल्द ही एक्ट्रेस हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2 में दिखेंगी।

चित्रांगदा सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही 'हाउसफुल 5' में दिखेंगी। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। फिल्म में चित्रांगदा और अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, पूजा हेगड़े, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, और सौंदर्या शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पांच साल बाद पार्थ समथान की टीवी की दुनिया में वापसी!

अभिनेता पार्थ समथान को आखिरी बार 'कसौटी जिंदगी की सीजन 2' में देखा गया था। इस शो में वह एरिका फर्नांडिस के साथ नजर आए थे। अब वह टेलीविजन पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता कथित तौर पर सीआईडी 2 में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पार्थ सीआईडी 2 में अभिनय करेंगे। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में खबर आई की शिवाजी साटम (एसीपी प्रद्युमन) शो को अलविदा कहने वाले हैं। आगामी एपिसोड में उनकी मौत से जुड़ा दुखद मोड़ दिखाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पर अभी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक लंबी छुट्टी का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सीआईडी की आगामी शूटिंग के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। पार्थ ने साल 2024 में आई फिल्म 'घुड़चढ़ी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इसके पहले वह कई सारे टीवी शो में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

अजय देवगन को भाया 'केसरी 2' का ट्रेलर

अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। इसमें अक्षय कुमार ने वकील शंकरन नायर की भूमिका निभाई है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के लिए जिम्मेदार ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर को कोर्ट में सजा दिलाने की नायर ठान लेते हैं। फिल्म 'केसरी 2' के ट्रेलर को देखकर दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस ट्रेलर की खूब तारीफ की है। साथ ही अभिनेता अजय देवगन ने भी फिल्म को सराहा है।

अक्षय की तारीफों के पुल बांध दिए

फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स अक्षय कुमार की तारीफ करते नहीं थके। एक यूजर ने लिखा, 'यह बिल्कुल भी बॉलीवुड फिल्म नहीं लगती है। फिल्म के किरदार बहुत ही कमाल के हैं। साथ ही शंकरन नायर की भूमिका में अक्षय से बेहतर कलाकार कोई हो नहीं सकता था। अच्छा लगा कि बॉलीवुड ने अपनी गलतियों से सीखा है और खुद को बेहतर बनाने पर काम किया है।' एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार एक मास्टरपीस फिल्म लेकर आए हैं।' कई यूजर्स ने इस फिल्म को अक्षय कुमार का कमबैक तक कह दिया। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'केसरी 2' का ट्रेलर साझा किया है। साथ ही एक खास मैसेज भी लिखा है। अजय देवगन लिखते हैं, 'भगत सिंह की लड़ाई, संघर्ष सड़क पर था, ये लड़ाई कोर्ट रूम में है। इन दोनों ही चीजों ने इतिहास को बदल दिया। 'केसरी 2' के लिए मेरे दोस्त अक्षय कुमार और पूरी टीम को बधाई।' इस तरह अजय देवगन ने भी फिल्म 'केसरी 2' को सराहा है। फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार शंकरन नायर एक सीन में ब्रिटिश अधिकारी डायर को एक डायलॉग बोलते हैं, 'द एंपायर की श्रिंकिंग'। यह डायलॉग फैंस को खूब भाया है। इस डायलॉग को सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब पसंद किया है।

आर माधवन–अनन्या की भी तारीफ हुई

अक्षय कुमार के अलावा फिल्म 'केसरी 2' में आर माधवन और अनन्या पांडे भी वकील की भूमिका निभा रहे हैं। अक्षय के सामने आर माधवन चुनौती बनकर खड़े हैं। दोनों की टक्कर ट्रेलर में देखने लायक है। कई यूजर्स ने आर माधवन को भी सराहा है। एक यूजर लिखता है, 'आर माधवन का एंट्री सीन कमाल का है।' वहीं एक दूसरा यूजर लिखता है, ' आर माधवन के अलावा अनन्या भी फिल्म में अच्छी लग रही हैं। इस टॉपिक पर फिल्म बनाना बहुत बड़ी बात है।'

क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है हॉलिवुड बाहर वालों को नहीं घुसने देते

कहानी घर घर की, देश में निकला होगा चांद और बा बहू और बेबी जैसे मशहूर टीवी शोज की ऐक्ट्रेस श्वेता केसवानी करीब डेढ़ दशक पहले ये सारी शोहरत और पहचान को प्यार और परिवार के लिए छोड़कर सात समंदर पार एक नए देश न्यूयॉर्क में बस गईं। श्वेता का कहना है कि बाहर से आए कलाकारों के लिए हॉलिवुड में घुसना टेढ़ी खीर है।

आप भारत में एक मशहूर ऐक्ट्रेस थीं। ऐसे में, इंडिया छोड़कर न्यूयॉर्क में बसने और हॉलिवुड में हाथ आजमाने का फैसला कैसे किया? और यह सफर कैसा रहा?

साल 2010 में मैं न्यूयॉर्क में एक एक्टिंग कोर्स करने गई थी। वहां मैं अपने पति केन एंडीनो से मिली। पहले हम लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे, मगर जब हमने साथ रहने का फैसला किया तो मैंने सोचा कि मैं वहां मूव करने का चांस लेती हूं, क्योंकि ऐसा नहीं था कि मुझे सिर्फ अफेयर करना था। मुझे अपना घर बनाना था। मैं अपना बच्चा चाहती थी और जब बच्चा होता है तो मां को एक ब्रेक लेना पड़ता है क्योंकि बच्चे को मां की जरूरत होती है। ऐसे में, मैंने सोचा कि एक नए मार्केट को एक्सप्लोर करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बेशक इंडिया में नाम था, पर सास–बहू के सीरियल ही चल रहे थे। जब मैं कोर्स करने आई थी तब टीवी में हम जैसे स्थापित एक्टर्स के लिए माहौल ठंडा था, क्योंकि नए चेहरे बहुत कम फीस पर काम कर रहे थे तो मेकर्स नए लोगों को चांस दे रहे थे। मुझे जो ऑफर मिल रहे थे, वे मुझे पसंद नहीं आ रहा थे तो मैंने सोचा कि अगर यूनिवर्स ने मुझे इस आदमी से मिलाया है तो कोई वजह होगी। हालांकि, हॉलिवुड में घुसने का सफर बहुत चैलेंजिंग था। मुझे इंडस्ट्री में रिलेशनशिप बनाने में ही 13 साल लग गए।

हॉलिवुड फिल्मों में आम तौर पर भारतीय एक्टर्स को छोटे–मोटे रोल या ड्राइवर–वर्कर जैसे कम आदमनी वाले किरदारों में ही कास्ट किया जाता है। आपका अनुभव क्या रहा है?

आपने बिल्कुल सही कहा। हॉलिवुड बहुत ही क्लोज, नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है। उनके गार्ड होते हैं, जो हॉलिवुड में नॉन हॉलिवुड के लोगों को घुसने नहीं देना चाहते। नॉन हॉलिवुड के जो भी लोग हॉलिवुड में आए हैं, उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। यकीन मानिए, हॉलिवुड रूपी किले को भेदना मजाक नहीं है। रोल देते वक्त हमें सिर्फ एशियन डायस्पोरा के करैक्टर के लिए सोचा जाता है यानी सिर्फ साउथ एशियन नहीं, मिडिल इस्टर्न, नेटिव अमेरिकन, हम सबको एक एक ब्रैकेट में डाल दिया है, तो अगर कोई ब्राउन या नॉन अमेरिकन एक्टर चाहिए तब उन्हें हमारी याद आती है और इतने बड़े सागर, जिसमें जपान, कोरिया, भारत, नेटिव अमेरिकन, मिडिल ईस्ट, सब जगह के लोग हैं, उनमें से ऑडिशन होता है, तो मैं साल में 100 ऑडिशन करूं तो कहीं जाकर 2 बुकिंग मिलती है।

फिल्म न चलने पर ऑडियंस को दोष नहीं दे सकते

अमित साध इंडस्ट्री में जाना–माना नाम हैं। एक्टर अपने इंटेंस और एक्शन रोल के लिए जाने जाते हैं। अमित आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने कई जतन किए हैं। बहुत सारी चुनौतियों को झेला है। एक्टर का मानना है कि इंडस्ट्री हो या समाज इंसानियत पहले होनी चाहिए। उनकी कोशिश है कि वो अपने हिस्से की इंसानियत बराबर से निभा पाए।

अमित आप सुशांत सिंह राजपूत के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते थे। क्या आउटसाइडर एक्टर को जनता सपोर्ट नहीं करती है?

मैं इस बारे में बहुत सोचता हूं। जनता ने ऑलरेडी सबको बहुत कुछ दे रखा है। तो हर चीज जनता पर नहीं डाल सकते। अगर आपके घर में आग लगी हो तो आग बुझाने की ड्यूटी सबसे पहले घरवालों की होती है। न कि पड़ोसी की। वैसे ही अगर कोई एक्टर परेशान है, अकेला है तो पहला रोल इंडस्ट्री का होना चाहिए। इंडस्ट्री एक फैमिली है। अगर अपने ही अपने काम नहीं आए तो हम कौन होते हैं ऑडियंस को दोष देने वाले। मुझे लगता है कि हमें एक–दूसरे का ज्यादा ख्याल रखने की जरूरत है। एक–दूसरे के प्रति इतना गुस्सा, रंजिश या उसे इंसान को रिजेक्ट करना देना नहीं होना चाहिए।

सुशांत ने या आपने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है लेकिन ऑडियंस नहीं देखती। तो क्या जनता दोषी नहीं है?

ऐसे में मेरा मानना है कि अगर कोई फिल्म नहीं चली तो इसका दोष हम ऑडियंस पर नहीं डाल सकते। ऑडियंस बहुत बड़ा फैक्टर है लेकिन कई बार गणित सही नहीं बैठता है। पिक्चर अच्छी है या गंदी ये तय करने वाले भी हम कोई नहीं होते हैं। मान लीजिए, कोई फिल्म बनी, उसका एक वक्त था, उस फिल्म की किस्मत थी, उसमें वो फील था। दुनिया ने देखी और वो चल गई। अगली नहीं चली तो आगे बढ़ना चाहिए। कुछ और ट्राई करना चाहिए।

आपको नहीं लगता है कि ऑडियंस स्टार किड्स के बारे में जानने के लिए उत्सुक होती है? पैपराजी भी उन्हें ही फोकस करते हैं?

बिल्कुल नहीं। कोई ऑडियंस स्टार किड को जानने में उत्सुक नहीं होती। उनकी मार्केटिंग टीम आपको यकीन दिलाती है। जनता बहुत स्मार्ट है। जनता ये तय करती है कि उन्हें कौन सी फिल्म सिनेमा हॉल में देखनी है, कौन सी ओटीटी में और कौन सी पिक्चर नहीं देखनी है। जनता कंज्यूमर है और कंज्यूमर भगवान होता है। ऑडियंस नहीं होती तो इंडस्ट्री नहीं होती। ऑडियंस नहीं होती तो मेरे जैसा इंसान एक्टर नहीं बनता। मैं तो ऑडियंस से शिकायत ही नहीं कर सकता। उन्होंने तो मुझे सड़क से उठाकर यहां बिठा दिया है।

नेपोटिज्म पर आपकी क्या राय है?

मुझे तो लगता है कि हम सब नेपोटिज्म हैं। मेरी नजर में नेपोटिज्म कोई चीज आपको अपने मां–बाप से, कुदरत से, अपने आस–पास के माहौल से मिलना है। कुछ चीजों में आप आगे होते हैं। कुछ चीजों में कोई दूसरा बेहतर होता है। अगर मुझे कोई बोले 20 फीट से छलांग लगाने, मैं दो मिनट मैं कर दूंगा। अगर मुझे गन दोगे तो मैं सोल्जर बन जाऊंगा क्योंकि मैं हमेशा एक सोल्जर की तरह ट्रेन्ड हुआ हूं। ये मेरी नेपोटिज्म है। मार्केटिंग ने इस टर्म को गढ़ दिया है। सबको अपने हिस्से की खुशियां और स्ट्रगल मिलती है। चाहे आप सचिन तेंदुलकर के बेटे क्यों ना हो?

इस समय आपका एम्बिशन क्या है? ड्रीम रोल क्या है?

मेरे अंदर एम्बिशन नहीं काम को लेकर भूख है। ड्रीम रोल की बात करूं तो मुझे जो भी रोल मिलता है, उसमें अपना समर्पण देता हूं। उसे ही अपना ड्रीम रोल बना देता हूं। हालांकि, मैं फिल्मों में लॉयर की भूमिका निभाना चाहता हूं। मैं सुपरहीरो वाली फिल्म करना चाहता हूं। मैं कॉमेडी फिल्में करना चाहता हूं। ऑडियंस को एंटरटेनमेंट के साथ खुशी और रोमांच देना चाहता हूं।

फैंस का कोई मैसेज या तारीफ जो आपके दिल के करीब है और आप बताना चाहते हो?

जवाब– मेरे पास दो ऐसे किस्से हैं। 'काई पो चे' के वक्त मेरी एक फैंस मुझे मैसेज करके लड़ती थी कि आप इंटरव्यू में बोलते क्यों नहीं हैं? मैं भी उससे लड़ता और बताता था कि दूसरे एक्टर मुझे बोलने ही नहीं देते। तो वो कहती कि जब आपसे सवाल करते हैं, तब तो जवाब देना चाहिए। मैंने उससे बोला कि शायद मुझे बात करने नहीं आती, मैं कोशिश करूंगा। फिल्म 'सुल्तान' और 'ब्रीद' के बाद मैं थोड़ा बोलने लगा। इंटरव्यू में अपनी सोच बताने लगा। फिर उसका मैसेज आया कि अब मैं असली शेर को देख रही हूं।

अमित अपने आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए?

'पुणे हाइवे' करके मेरी एक फिल्म आ रही है। ये राहुल दा कुन्हा की प्ले पर आधारित मर्डर मिस्ट्री है। मेरे लिए ये फिल्म 'काई पो चे' है। इसमें भी तीन दोस्त हैं। इस पूरी फिल्म की वाइब भी 'काई पो छे' वाली ही है। तीन दोस्तों की कहानी है। फिल्म में ड्राई ह्यूमर है। दोस्ती और दुविधा साथ–साथ चलती है। जल्द ही इस फिल्म का प्रमोशन शुरू होगा। मेरी एक और फिल्म आ रही है 'प्रताप'। इसमें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है। मैं अपनी दोनों फिल्मों को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।